संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 65 रविवार 05 जनवरी 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महत्वपूर्ण खबर

ईपीएफओ ने केंद्रीकृत पेंशन प्रणाली की शुरू

नई दिल्ली,04 जनवरी 2025(ए)। श्रम मंत्रालय के अनुसार, ईपीएफओ ने देशभर में अपने सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में सेंट्रलाइज्ड पेंशन पेमेंट्स सिस्टम (सीपीपीएस) का रोलआउट पूरा कर लिया है, जिससे 68 लाख से अधिक पेंशन पाने वालों को लाभ मिलेगा। मंत्रालय द्वारा हाल ही में दी गई जानकारी के अनुसार, सेंट्रलाइज्ड पेंशन पेमेंट्स सिस्टम पुराने पेंशन वितरण सिस्टम से अलग एक विकेंद्रीकृत सिस्टम है।

आरोपी निकिता सिंघानिया और उसके मां-भाई को मिली जमानत

बेंगलुरू कोर्ट ने दी राहत

बेंगलुरू,04 जनवरी 2025 (ए)। :एआई इंजीनियर अतुल सुभाष सुसाइड केस में आरोपी निकिता सिंघानिया, उसकी मां निशा और भाई को जमानत मिल गई है। बेंगलुरु के सिटी सिविल कोर्ट ने निकिता सिंघानिया, निशा सिंघानिया और अनुराग सिंघानिया को जमानत दे दी। सुभाष की पत्नी निकिता सिंघानिया, उनकी मां निशा सिंघानिया और भाई अनुराग सिंघानिया ने मामले में जमानत के लिए बेंगलुरु की सत्र अदालत का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने पहले कर्नाटक हाई कोर्ट से अपील की थी कि सत्र अदालत को उनकी जमानत याचिका का निपटारा करने का निर्देश दिया जाए।

परमाणु वैज्ञानिक डॉ. राजगोपाल चिदंबरम का निधन

मुंबई के जसलोक अस्पताल में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली,04 जनवरी 2025(ए)। देश के प्रसिद्ध परमाणु वैज्ञानिक डॉ. राजगोपाल चिदंबरम का शनिवार को निधन हो गया। वे 88 वर्ष के थे और परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। चिदंबरम का निधन मुंबई के जसलोक अस्पताल में हुआ, जहां उन्होंने सुबह 3:20 बजे अंतिम सांस ली। भारत के परमाणु हथियार कार्यक्रम में उनका योगदान अतुलनीय था, और उन्होंने 1974 और 1998 के परमाणु परीक्षणों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

जेक सुलिवन के दौरे से भारत को होगा लाभ ?

» ट्रंप के दौरे से पहले भारत आ रहे अमेरिका के एनएसए जेक सुलिवन

» 5 और 6 जनवरी को दिल्ली में रहेंगे अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार

» अजित डोभाल से मुलाकात, चीन के बांध प्रोजेक्ट पर होगी चर्चा

नई दिल्ली,04 जनवरी 2025(ए)। अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण से पहले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन दो दिवसायी दौरे पर दिल्ली आ रहे हैं। वो 5 और 6 जनवरी को भारत में रहेंगे। ट्रंप के शपथ से पहले अमेरिकी एनएसए सुलिवन का दौरा बेहद अहम माना जा रहा है। इस दौरान वो भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल से मुलाकात करेंगे। जेक सुलिवन भारत के साथ चीन के बांध प्रोजेक्ट्स समेत दूसरे मुद्दों पर चर्चा करेंगे। इस दौरान परमाणु सहयोग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्पेस आदि मुद्दों पर भी बात होगी।

चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच सुलिवन का भारत दौरा

अमेरिका, भारत को एशिया में चीन के बढ़ते प्रभाव के खिलाफ एक महत्वपूर्ण सहयोगी मानता है। जेक सुलिवन की यह यात्रा भारत-अमेरिका संबंधों के लिए महत्वपूर्ण है। चीन के बांधों का मुद्दा,खासकर मेकांग क्षेत्र में, दोनों देशों के लिए चिंता का विषय है। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि हमने इंडो-पैसिफिक में कई जगहों पर देखा है कि मेकांग क्षेत्र सही चीन की ओर से बनाए गए अपस्ट्रीम बांध वास्तव में पर्यावरण को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके साथ ही डाउनस्ट्रीम देशों पर जलवायु प्रभाव भी डाल सकते हैं। अमेरिका, भारत की चिंताओं को समझता है और इस पर चर्चा करने को तैयार है।

चीन के बांध प्रोजेक्ट पर चर्चा के आसार

भारत, तिब्बत में यारलुंग जंगबो नदी पर चीन के बांध परियोजना को लेकर चिंतित है। यह नदी भारत में बहती है। भारत ने इस प्रोजेक्ट को लेकर चीन के सामने अपनी बात रख दी है। हालांकि, चीन का कहना है कि तिब्बत में जलविद्युत परियोजनाओं का पर्यावरण या पानी की आपूर्ति पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ेगा। यह बांध दुनिया का सबसे बड़ा बांध होगा, जिसकी क्षमता सालाना 300 अरब किलोवाट-घंटे बिजली उत्पादन करने की होगी। इस परियोजना को पिछले महीने मंजूरी मिली थी।

इन मुद्दों पर होगी अमेरिकी एनएसए से बातचीत

जेक सुलिवन की दिल्ली यात्रा के दौरान कई मुद्दों पर बात होने के आसार हैं। इस यात्रा में असैनिक परमाणु सहयोग पर भी चर्चा होगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग के नए रास्ते तलाशे जाएंगे। सैन्य लाइसेंसिंग और चीन की आर्थिक नीतियों पर भी बातचीत होगी। एक अन्य अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि इस दौरान दलाई लामा से मुलाकात नहीं होगी।

सोशल मीडिया चलाने से पहले बच्चों को लेनी होगी माता-पिता की मंजूरी

» मोदी सरकार के इस प्लान से खुश पेरेंट्स

नई दिल्ली,04 जनवरी 2025 (ए)। भारत में 18 साल से कम उम्र के बच्चों को अब सोशल मीडिया पर अकाउंट बनाने से पहले अपने पैरेंट्स से सहमति लेनी होगी। केंद्र सरकार ने इसे लेकर मसौदा जारी किया है। सरकार के इस कदम ने अब इस बहस को एक बार फिर तेज कर दिया है कि आखिर बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखना क्यों जरूरी है? इसके फायदे और नुकसान क्या हैं? अन्य देशों में इसको लेकर क्या नियम हैं। सबसे जरूरी कि इन प्रतिबंधों से बच्चों के अधिकार कैसे प्रभावित होते हैं. टेक कंपनियों के क्या तर्क हैं?

दरअसल, बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को लेकर जो सबसे आम तर्क दिया जाता है, वो ये कि इससे बच्चों पर गलत प्रभाव पड़ रहा है. वो ऐसे कंटेंट देख रहे हैं जिसका असर उनके मेंटल हेल्थ पर पड़ रहा है. विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, दुनियाभर में 10 प्रतिशत से अधिक किशोर सोशल मीडिया के इस्तेमाल से नकारात्मक रूप से प्रभावित होते हैं। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट ये भी बताती है कि वैश्विक स्तर पर जैसे-जैसे सोशल मीडिया का इस्तेमाल बढ़ रहा है। बच्चों में मानसिक और शारीरिक समस्याओं में भी इजाफा हो रहा है।

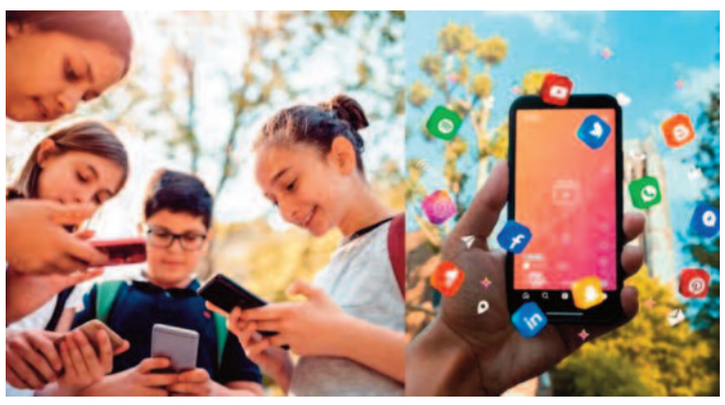

बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर दुनियाभर में लंबे समय से डिबेट हो रही है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने सबसे पहले अपने देश में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर बैन लगाया. साथ ही ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने उन कंपनियों पर भी जुर्माना लगाने का प्रावधान किया है जो बच्चों को प्रभावित करने वाले कटेंट बनाएंगे। ऑस्ट्रेलिया के इस कदम के बाद दुनिया के कई देशों में इसे लेकर पहल शुरू हुई। न्यूजीलैंड की सरकार ने भी अपने यहां बच्चों की सोशल मीडिया से दूरी को लेकर नियम बनाने की प्रतिबद्धता जाहिर की है. इंडोनेशिया, मलेशिया, साउथ कोरिया, जापान, बांग्लादेश, सिंगापुर समेत कई ऐसे देश हैं जहां इसे लेकर बहस चल रही है. कंपनियों पर भी सख्ती की जा रही है। ब्रिटेन, फ्लोरिडा, नार्वे और फ्रांस समेत कई अन्य देशों ने भी अपने यहां बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को लेकर पाबंदियां लगाई हैं। बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने के पीछे कई तर्क दिए जाते हैं. प्रोफेशनल तर्क जो दिया जाता है उसके अनुसार, इस नियम का उद्देश्य मेंटल हेल्थ रिस्क को कम करना है जो सोशल मीडिया के इस्तेमाल करने से हो रहा है। कहा जाता है कि सोशल मीडिया के इस्तेमाल से बच्चों में एडिक्शन, साइबर बुलिंग और हिंसा का खतरा बढ़ा है।

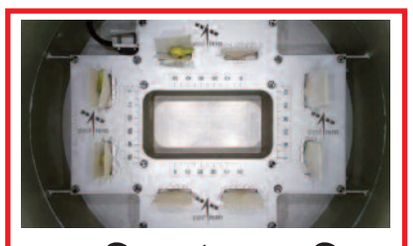

अंतरिक्ष में अंकुरित हुए लोबिया के बीज

नई दिल्ली,04 जनवरी 2025 (ए)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी कि इसरो नए एक और बड़ा कमाल किया है। इसरो ने अंतरिक्ष में लोबिया के बीजों को अंकुरित कराने में सफलता हासिल की है। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि जल्द ही इनमें से पत्ते भी निकलेंगे। इसरो ने कम गुरुत्वाकर्षण में पौधों की वृद्धि का अध्ययन करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। इस प्रयोग से वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद मिलेगी कि अंतरिक्ष में पौधों की वृद्धि कैसे होती है जिससे लंबे स्पेस ऑपरेशन्स में काफी मदद मिल सकती है।

2025 में 25 देशों में बिना वीजा घूम सकते है भारतीय नागरिक

नई दिल्ली,04 जनवरी 2025 (ए)। 2025 में भारतीय यात्रियों के लिए विदेश यात्रा अब पहले से आसान हो गई है। कई ऐसे देश हैं, जहाँ भारतीय नागरिक बिना वीज़ा के या वीज़ा-ऑन-अराइवल की सुविधा के साथ यात्रा कर सकते हैं। यह सुविधा खास तौर पर उन लोगों के लिए आकर्षक है, जो वीज़ा प्रक्रिया की पेचीदगियों से बचते हुए विदेश घूमने का सपना देखते हैं। चाहे छुट्टियों की योजना हो या एक नई संस्कृति को करीब से जानने की इच्छा, यह सूची भारतीय यात्रियों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलती है।

नई दिल्ली से प्रवेश वर्मा..कालकाजी से रमेश विधूड़ी

दिल्ली चुनाव के लिए बीजेपी ने जारी कर दी 29 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट

नई दिल्ली,04 जनवरी 2025 (ए)। दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपनी पहली सूची जारी कर दी है, जिसमें 29 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। इस सूची में बीजेपी ने पूर्व लोकसभा सांसद प्रवेश वर्मा को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ नई दिल्ली सीट से टिकट दिया है। वहीं पार्टी ने दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के खिलाफ रमेश विधूड़ी को कालकाजी सीट से चुनावी मैदान में उतारा है। इसके अलावा आम आदमी पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए कैलाश गहलोत को बिजवासन सीट से प्रत्याशी बनाया गया है।

पहली लिस्ट में 29 उम्मीदवार

इसके अलावा आदर्श नगर से राजकुमार भाटिया, बादली से दीपक चौधरी,रिठाला से कुलवंत राणा, नांगलोई जाट से मनोज शौकीन, मंगोलपुरी से राजकुमार चौहान, रोहिणी से विजेंद्र गुप्ता, शालीबाग से रेखा गुप्ता, मॉडल टाउन से अशोक गोयल, करोल बाग से दुष्यंत कुमार गौतम, पटेल नगर से राजकुमार आनंद, राजौरी गार्डन से सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा, और जनकपुरी से आशीष सूद के नाम शामिल हैं।

नई दिल्ली और कालकाजी..दो हॉट सीटें..

यह दोनों सीट इस विधानसभा चुनाव में हॉट सीट मानी जा रही है क्योंकि, नई दिल्ली से चौथी बार केजरीवाल चुनाव लड़ रहे हैं। कालकाजी से आतिशी दूसरी बार चुनाव लड़ रही है। आम आदमी पार्टी को भरोसा है कि वह दोनों सीट आसानी से निकाल लेंगे। लेकिन, इन दोनों सीट पर कांग्रेस के मजबूत प्रत्याशी भी उन्हें टक्कर दे रहे हैं। संदीप दीक्षित और अलका लांबा मैदान में हैं. अब भाजपा ने इन दोनों सीट पर अपने पुराने सांसदों को मैदान में उतारकर दोनों सीट पर मुकाबला त्रिकोणीय कर दिया है। उधर लिस्ट आने के बाद दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने शनिवार को दावा किया कि पहली सूची में जिन 29 उम्मीदवारों का नाम सामने आया है सभी जीत दर्ज करेंगे।

सत्ता में वापसी के लिए कांग्रेस देगी 5 बड़ी गारंटियां!

नई दिल्ली,04 जनवरी 2025 (ए)। आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर सभी पार्टिया जोर-शोर से तैयारी कर रही है। इसी कड़ी में कांग्रेस पार्टी सत्ता में वापसी के लिए अपने चुनावी वादों और योजनाओं को लेकर पूरी तरह से तैयार है। कांग्रेस ने अपनी रणनीति को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है और आगामी चुनावों में दिल्लीवासियों को पांच बड़ी गारंटियां देने का ऐलान किया है। ये गारंटियां दिल्ली में चुनावी मुकाबले को दिलचस्प बनाने वाली हैं, क्योंकि पार्टी ने महिलाओं, युवाओं और गरीबों को केंद्र में रखते हुए अपनी योजनाओं को तैयार किया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, और मल्लिकार्जुन खड़गे 6 जनवरी से 12 जनवरी तक इन गारंटियों का ऐलान करेंगे।

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट में 7 की मौत

नई दिल्ली,04 जनवरी 2025(ए)। शनिवार को देश के दो अलग-अलग राज्यों में पटाखा और विस्फोटक सामग्री बनाने वाली फैक्ट्रियों में हुए धमाकों ने सबको झकझोर कर रख दिया। तमिलनाडु और तेलंगाना में इन हादसों में कुल 7 लोगों की जान चली गई, जबकि कई लोग घायल हो गए।

तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में स्थित पटाखा फैक्ट्री में शनिवार को हुए भीषण विस्फोट में 6 मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई। कई अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रासायनिक मिश्रण के दौरान यह विस्फोट हुआ, जिससे एक कमरा पूरी तरह से तबाह हो गया। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस और बचाव दल ने स्थिति को संभाला। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

तेलंगाना के फैक्ट्री में धमाका, 1 की मौत, 1 घायल- एक अन्य घटना तेलंगाना के यदाद्रि-भुवनगिरि जिले में हुई, जहां विस्फोटक सामग्री बनाने वाली फैक्ट्री में धमाका हो गया। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के अनुसार, घायल व्यक्ति का अस्पताल में इलाज चल रहा है और उसकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। इन दोनों घटनाओं ने फैक्ट्रियों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी को उजागर किया है। तमिलनाडु और तेलंगाना में पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन सुरक्षा उपायों की कमी के कारण यह सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा।

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में सेना का ट्रक खाई में गिरा,तीन जवान बलिदान

श्रीनगर,04 जनवरी 2025(ए)। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में सेना का ट्रक खाई में गिर गया। हादसे में तीन जवान बलिदान हो गए, जबकि चार जवान घायल हो गए। यह हादसा बांदीपोरा जिले के अंतर्गत एसके पायन के वुल व्यू प्वाइंट के पास हुआ।हादसा उस दौरान हुआ जब वाहन सड़क से उतर रहा था। एकाएक ट्रक फिसलकर खाई में जा गिरा। घायल जवानों को रेस्क्यू कर लिया गया है। आन-फानन में सभी को जिला अस्पताल में रेफर किया गया।

महिला के साथ बाथरूम में गंदी हरकत करते डीएसपी कैमरे में कैद

बेंगलुरु ,04 जनवरी 2025 (ए)। कर्नाटक सरकार ने तुमकुरु जिले के मधुगिरी के पुलिस उपाधीक्षक बी रामचंद्रप्पा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उन पर अपने कार्यालय के बाथरूम में एक महिला के साथ अनुचित व्यवहार करने का आरोप है, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। यह मामला और भी गंभीर इसलिए है क्योंकि रामचंद्रप्पा गृह मंत्री जी परमेश्वर के निर्वाचन क्षेत्र के डीएसपी थे।

गुरुवार रात से ही सोशल मीडिया पर एक 35 सेकंड का वीडियो तेज़ी से वायरल हो रहा था, जिसमें रामचंद्रप्पा एक महिला के साथ बाथरूम के अंदर खड़े दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। तुमकुरु के एसपी अशोक केवी ने मीडिया को बताया कि उन्होंने इस मामले को उच्च अधिकारियों के संज्ञान में ला दिया है और उचित कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

भ्रष्टाचार की दुर्गंध महसूस

समझा जा सकता है कि पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के आधार पर बनीं सड़कों का कैसा अनुचित बोझ सड़क यूजर्स पर डाला गया गया है। अगर अतार्किक फॉर्मूले को अधिकारियों ने मंजूरी दी, तो क्या इसमें भ्रष्टचार की दुर्गंध महसूस नहीं की जानी चाहिए?दिल्ली- नोएडा डायरेक्ट (डीएनडी) मार्ग पर टॉल वसूली में घपले पर सीएजी की रिपोर्ट और उस आधार पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला एक मिसाल है। ऐसे मामले देश में कहां-कहां और कितनी संख्या में होंगे, इसका सहज अनुमान लगाया जा सकता है। इस मार्ग पर प्राइवेट फर्म- नोएडा टॉल ब्रिज कंपनी लिमिटेड (एनटीबीसीएल) के टॉल वसूलने पर 2016 में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने रोक लगाई थी। इसके पहले सीएजी रिपोर्ट से टॉल तय करने में बड़ी गड़बड़ी का खुलासा हुआ था। बीते हफ्ते सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। उसने एनटीबीसीएल के साथ-साथ नोएडा प्रशासन के खिलाफ भी कड़ी टिप्पणियां कीं।सुप्रीम कोर्ट ने जिन गड़बडिय़ों की ओर ध्यान दिलाया, उनमें शामिल हैं- एनटीबीसीएल ने अपने अधिकारियों की अत्यधिक तनख्वाह, भत्तों आदि को पुल निर्माण लागत में जोड़ा। इसके अलावा11 करोड़ रु. लीगल खर्च, चार करोड़ रु. यात्रा खर्च, और 33 करोड़ के डीप डिस्काउंट बॉन्ड देने पर हुआ खर्च भी इसमें शामिल किया गया। कॉरपोरेट गिफ्ट्स की खरीदारी के एवज में हुए सवा 72 लाख रुपये के खर्च को भी जोड़ा गया। इन सबसे बताई गई लागत रकम बढ़ती चली गई।और इस आधार पर टॉल तय हुआ। सुप्रीम कोर्ट ने टॉल तय करने के इस फॉर्मूले को सिरे से अतार्किक बताया और इस आधार पर एनबीटीसीएल को अनिश्चित काल तक टॉल वसूलने की मंजूरी देने वाले अधिकारियों की गैर-जिम्मेदारी की आलोचना की।तो अब समझा जा सकता है कि पब्लिक- प्राइवेट पार्टनरशिप के आधार पर बनाई गईं और बन रहीं सड़कों का कैसा अनुचित बोझ सड़क यूजर्स पर डाला गया गया है। अगर अतार्किक फॉर्मूले को अधिकारियों ने मंजूरी दी, तो क्या इसमें भ्रष्टचार की दुर्गंध महसूस नहीं की जानी चाहिए? अनुमान लगाया जा सकता है कि सार्वजनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने के इस चलन में राजनेता, ठेकेदार, अधिकारी और प्राइवेट कंपनियों- सबका फायदा है। नुकसान केवल आम यूजर उठा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि अब कई शहरों में दोपहिया वाहन चालकों से भी टॉल टैक्स वसूला जा रहा है। तो क्या अब वक्त नहीं आ गया है कि इस पूरे मॉडल पर सवाल खड़े किए जाएं?

परमाणु वैज्ञानिक डॉ आर चिदंबरम ने दुनिया को कहा अलविदा

संजय गोस्वामी
मुंबई,महाराष्ट्र

पोखरण-प्रथम और पोखरण-द्वितीय परमाणु परीक्षणों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रख्यात परमाणु वैज्ञानिक और क्रिस्टलोग्राफर डॉ. आर चिदंबरम का शनिवार 4जनवरी 25 को निधन हो गया।वे 89 वर्ष के थे।वैज्ञानिक के रूप में अपने करियर में डॉ. चिदंबरम ने भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के निदेशक, परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष और परमाणु ऊर्जा विभाग के सचिव के रूप में काम किया है। पिछले कुछ दिनों से उनकी तबीयत ठीक नहीं थी।वैज्ञानिक रूप में अपने करियर में डॉ. चिदंबरम ने भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के निदेशक, परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष और परमाणु ऊर्जा विभाग के सचिव के रूप में काम किया।वे 1994-95 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष थे।डॉ. चिदंबरम भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार भी रह चुके हैं।डॉ. चिदंबरम ने भारत के परमाणु हथियार कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई-पोखरण-प्रथम (1975) और पोखरण-द्वितीय(1998) के लिए परीक्षण की तैयारी का समन्वय किया।परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग के लिए,उन्होंने भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम को गति दी।डॉ. चिदंबरम को पद्म श्री (1975) और पद्म विभूषण (1999) सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

चिदंबरम का जन्म एक ब्राह्मण हिंदू परिवार में हुआ था और उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा मेरठ और चेन्नई में पूरी की, भौतिकी में बीएससी ऑनर्स की डिग्री हासिल की, 1956 में मद्रास विश्वविद्यालय के विभागीय और विश्वविद्यालय स्तर पर प्रथम रैंक प्राप्त की। मास्टर प्रोग्राम में दाखिला लेने के बाद, चिदंबरम ने परिचयात्मक भौतिकी प्रयोगशाला पाठ्यक्रम पढ़ाया और 1958 में उसी संस्थान से एनालॉग कंप्यूटर पर एक मौलिक थीसिस लिखते हुए भौतिकी में एम.एससी. प्राप्त की। उन्हें भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के डॉक्टरेट कार्यक्रम के लिए स्वीकार किया गया और 1962 में पीएचडी से सम्मानित किया गया। उनकी थीसिस में परमाणु चुंबकीय अनुनाद के विकास पर शोध कार्य शामिल था इसके बजाय, चिदंबरम ने खुद को क्रिस्टलोग्राफी और संघनित पदार्थ भौतिकी में रुचि दिखाई, वैज्ञानिक लेख लिखे, जिन्होंने बाद में आधुनिक पदार्थ विज्ञान के विकास में एक प्रभावशाली भूमिका निभाई। संघनित पदार्थ भौतिकी और पदार्थ विज्ञान के संवर्धन में उनके योगदान ने उन्हें इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस द्वारा भौतिकी में डी .एस सी . से सम्मानित किया, जिसके बाद उन्होंने आईआईएससी में किए गए प्रयोगों पर अपनी डॉक्टरेट थीसिस प्रस्तुत की। वह

मुदुराई कमराज विश्वविद्यालय,मदुरै से डीएससी.के प्राप्तकर्ता भी हैं। उन्हें आठ भारतीय विश्वविद्यालयों द्वारा भौतिकी में डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई है। 1974 में पोखरण में परमाणु उपकरण के परीक्षण के बाद, चिदंबरम ने उच्च दाब भौतिकी के क्षेत्र में खुला शोध शुरू किया। इसके लिए डायमंड एनविल सेल और प्रोजेक्टाइल लॉन्च करने के लिए गैस-गन जैसे उपकरणों की एक पूरी श्रृंखला स्वदेशी रूप से बनाई गई थी। उन्होंने पहले सिद्धांत तकनीकों द्वारा पदार्थों की अवस्था और चरण स्थिरता के समीकरण की गणना के लिए सैद्धांतिक उच्च दाब अनुसंधान की नींव भी रखी। उनके उच्च दाब समूह द्वारा प्रकाशित शोधपत्र भी अच्छी तरह से उद्धृत किए जाते हैं। ओमेगा फेज इन मैटेरियल्स पर लिखी गई पुस्तक को संघनित पदार्थ भौतिकी/ मैटेरियल साइंस के शोधकर्ताओं द्वारा पाठ्यपुस्तक माना जाता है।

चिदंबरम ने पहले भारत की संघीय सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के निदेशक के रूप में कार्य किया-और बाद में भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया और उन्होंने भारत को राष्ट्रीय रक्षा और ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करने में योगदान दिया। चिदंबरम 1994-95 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष थे। वे 2008 में महानिदेशक,आईएईए द्वारा नियुक्त प्रतिष्ठित व्यक्तियों के आयोग के सदस्य भी थे, जिन्होंने 2020 और उसके बाद आईएईए की भूमिका पर एक रिपोर्ट तैयार की थी।

अपने पूरे करियर के दौरान, चिदंबरम ने भारत के परमाणु हथियारों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, वे 1974 में पोखरण परीक्षण रेंज में पहला भारतीय परमाणु परीक्षण (स्माइलिंग बुद्धा) करने वाली टीम का हिस्सा रहे। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय ख्याति तब प्राप्त की जब उन्होंने मई 1998 में दूसरे परमाणु परीक्षण के प्रयासों का निरीक्षण और नेतृत्व करते हुए परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) की टीम का नेतृत्व और प्रतिनिधित्व किया।डॉ. राजगोपाला चिदंबरम ने मेरठ और चेन्नई में अपनी प्रारंभिक शिक्षा के बाद, भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर में अपनी पीएचडी पूरी की, जहाँ से उन्होंने बाद में डी.एससी. की डिग्री भी प्राप्त की। वे 1962 में भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में शामिल हुए और 1990 में इसके निदेशक बने। वे फरवरी 1993 से नवंबर 2000 तक परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष और भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग में सचिव रहे। 2001 से, वे भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार और कैबिनेट की वैज्ञानिक सलाहकार समिति के अध्यक्ष हैं। डॉ. चिदंबरम भारत के प्रतिष्ठित प्रयोगात्मक भौतिकविदों में से एक हैं और उच्च दाब भौतिकी और न्यूट्रॉन क्रिस्टलोग्राफी के क्षेत्र में बी ए आर सी में उनके द्वारा स्थापित अनुसंधान समूहों को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। उन्होंने हमारी परमाणु प्रौद्योगिकी के कई पहलुओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके पास भारत और विदेश के बीस विश्वविद्यालयों से डी.एससी. डिग्री है। उनके पास रेफरी जर्नल में 200 से अधिक शोध प्रकाशन हैं और उनका सारा शोध कार्य भारत में हुआ है।डॉ. चिदंबरम भारत में सभी प्रमुख विज्ञान अकादमियों और ट्राइस्टे (इटली) में स्थित थर्ड वर्ल्ड केडमी ऑफ साइंसेज के फेलो हैं। डॉ. चिदंबरम 1994-95 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष थे। वे अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका एटम फॉर पीस के मानद सलाहकार बोर्ड के सदस्य हैं। वे 2008 में महानिदेशक, आईएईए द्वारा नियुक्त प्रतिष्ठित व्यक्तियों के आयोग के सदस्य भी थे, जिसे 2020 और उसके बाद आईएईए की भूमिका पर एक रिपोर्ट तैयार करने के लिए नियुक्त किया गया था।वे श्री चित्रा तिरुनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के अध्यक्ष, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष और हैदराबाद विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हैं। वे जलवायु परिवर्तन पर प्रधान मंत्री की परिषद के सदस्य और उच्च स्तरीय समिति के अध्यक्ष हैं। वह बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग में मानद विजिटिंग प्रोफेसर भी हैं। वह एनकेएन परियोजना के लिए उच्च स्तरीय समिति (एचएलसी) के अध्यक्ष भी हैं। डॉ. चिदंबरम ने कई पुरस्कार जीते हैं जिनमें 1991 में भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर का विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार, 1992 में भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी द्वारा द्वितीय जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी अंतर्राष्ट्रीय विजिटिंग फेलोशिप, 1995 में भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन का सी.वी. रमन जन्म शताब्दी पुरस्कार, 1996 के लिए मैटेरियल्स रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (एमआरएसआई) का विशिष्ट सामग्री वैज्ञानिक पुरस्कार, भारतीय भौतिकी संघ का आर.डी. बिड़ला पुरस्कार (1996), लोकमान्य तिलक पुरस्कार (1998), विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता के लिए फिरोदिया पुरस्कार (1998), वीर सावरकर पुरस्कार (1999), दादाभाई नौरोजी मिलेनियम पुरस्कार (1999), डॉ. वाई. नायडूम्मा स्मारक पुरस्कार (1999), पद्म विभूषण (1999), हरिओम आश्रम प्रेरित वरिष्ठ वैज्ञानिक पुरस्कार (2000), भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी का मेघनाद साहा पदक (2002), श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती (कांची मठ) राष्ट्रीय प्रतिष्ठा पुरस्कार (2003), भारतीय परमाणु सोसाइटी का होमी भाभा लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार (2006) और भारतीय विज्ञान कांग्रेस का जनरल प्रेसिडेंट पदक (2007) आदि है वे हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद के पूर्व अध्यक्ष भी थे भावपूर्ण श्रद्धांजलि।

प्रकाशक: सैनिक घटती-घटना

बीजेपी का कमल या केजरीवाल का विजय रथ दिल्ली में कौन होगा जीत का हकदार

अजय कुमार
,लखनऊ उत्तर प्रदेश

दिल्ली का सियासी दंगल सज गया है। बस चुनाव की तारीख की घोषणा होना बाकी रह गया है।इस बार भी इंडिया गठबंधन का हिस्सा होने के बाद भी कांग्रेस और आम आदमी पार्टी अलग-अलग चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं बीजेपी भी पूरे दमखम से मैदान में डटी है तो पीछे यूपी में मजबूत पकड़ रखने वाली समाजवादी पार्टी और बसपा भी नहीं हैं।दिल्ली विधानसभा चुनाव में जहां आम आदमी पार्टी के सामने अपनी 11 साल पुरानी सरकार को बचाये रखने की चुनौती है तो बीजेपी कम बैक करना चाहती है। मगर वह बिना सेनापति यानी मुख्यमंत्री के चेहरे के मैदान में ताल ठोक रही है,इसका उसे कितना फायदा या नुकसान होगा यह नतीजे आने के बाद पता चलेगा। वहीं कभी दिल्ली पर दबदबा बनाने रखने वाली कांग्रेस चुनाव के मैदान में तो हैं लेकिन सत्ता में उसकी वापसी हो,इसके लिये उसके पास शीला दीक्षित जैसा कोई चेहरा नजर नहीं नजर आ रहा हैं।

गौरतलब हो,केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली में विधानसभा बहाल होने के बाद 1993 में पहली बार विधानसभा चुनाव हुए थे। उसके बाद से राजधानी में सात बार विधानसभा चुनाव हुए हैं। बीजेपी महज एक बार साल 1993 में ही जीत दर्ज करने में कामयाब रही थी। 1998 में उसके हाथों से सत्ता गई तो फिर वापसी नहीं हुई। ऐसे में सवाल उठता है कि दिल्ली का दिल बीजेपी क्यों नहीं जीत पाती है और 2025 में क्या सियासी ग्रहण को दूर कर पाएगी। बीजेपी पिछले 26 साल से दिल्ली में सत्ता का वनवास झेल रही है। 15 साल तक शीला दीक्षित की अगुवाई में कांग्रेस के सामने खड़ी नहीं हो सकी. थी तो उसके बाद अरविंद केजरीवाल की चुनौती से बीजेपी कभी पार नहीं पा पाई। शीला दीक्षित के बाद से 11 साल से आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के आगे बीजेपी लीडरशिप पस्त नजर आई है। अब नव वर्ष के आगाज के साथ ही फिर से दिल्ली विधानसभा चुनाव की सियासी तपिश बढ़ गई है। बीजेपी 2025 में होने वाले विधानसभा में हर हाल में दिल्ली में कमल खिलाना चाहती है, जिसके लिए पूरी ताकत झोंक रखी है। इसके बाद भी बीजेपी के लिए दिल्ली के सत्ता की राह आसान नहीं है। मोदी-शाह की जोड़ी 2014 लोकसभा चुनाव के बाद से बीजेपी

के लिए जीत हासिल करने की गारंटी बन गई थी। ऐसे में देखते ही देखते देश के एक के बाद एक राज्यों में बीजेपी अपनी जीत का परचम फहराती रही। उत्तर से दक्षिण और पश्चिम से पूर्वोत्तर राज्यों तक बीजेपी की जीत का डंका बजने लगा। बीजेपी की जीत का श्रेय नरेंद्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी को दिया गया लेकिन केंद्र सरकार के नाक के नीचे दिल्ली में 2015 और 2020 में दो बार चुनाव हुए। इन दोनों ही चुनावों में मोदी-शाह की जोड़ी केजरीवाल के सामने अपना असर नहीं दिखा सकी। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह क्या है, जिसके चलते बीजेपी दिल्ली की जंग फतह नहीं पा रही? दिल्ली के सियासी मिजाज को बीजेपी समझ नहीं पा रही है। देश के दूसरे राज्यों के फॉर्मूले पर दिल्ली के विधानसभा चुनाव नहीं जीता जा सकता है। दिल्ली जाति और धर्म की सियासत को कभी तवज्जो नहीं नहीं देती है. इसके अलावा दिल्ली के लोग नकारात्मक चुनाव प्रचार को अहमियत नहीं देते, क्योंकि दिल्ली में एक बड़ा तबका कारोबारियों का है. दिल्ली में तीन तरह के चुनाव होते हैं और तीनों में वोटिंग पैटर्न अलग-अलग हैं। लोकसभा चुनाव में दिल्ली की पसंद बीजेपी रही तो विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी. पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के दौर में भी ऐसा ही था, जब विधानसभा में कांग्रेस को कामयाबी मिली थी तो लोकसभा में बीजेपी को. एमसीडी चुनाव में पहले बीजेपी का कब्जा रहा, लेकिन अब आम आदमी पार्टी का है.दिल्ली के चुनाव में पार्टी से ज्यादा नेता का व्यक्तित्व मायने रखता है. साल 1993 में बीजेपी ने मदन लाल खुरना को आगे कर सत्ता हासिल की थी, लेकिन सिर्फ पांच साल के दौरान बीजेपी को तीन बार सीएम बदलना पड़ा. नतीजा यह हुआ कि दिल्ली की जनता के बीच बीजेपी की तरफ से गलत राजनीतिक संदेश गया और इसका खामियाजा उसे 1998 के चुनाव में भुगतना पड़ा. इसके बाद से बीजेपी दिल्ली की सियासत में अपना कोई ऐसा नेता खड़ी नहीं कर सकी, जो शीला दीक्षित और अरविंद केजरीवाल के सामने चुनौती पेश कर सके।

1998 के चुनाव में कांग्रेस को जीत दिलाने वाली शीला दीक्षित 15 साल तक दिल्ली की मुख्यमंत्री रहीं. शीला दीक्षित ने खुद को कांग्रेस पार्टी के सामनांतर खड़ा किया था. दिल्ली में उन्होंने विकास का अपना एक मॉडल बनाया, जिसके दम पर वो 1998 से 2013 तक एकक्षत्र राज करती रहीं. बीजेपी इन 15 सालों तक कांग्रेस को चुनौती नहीं दे सकी और न ही कभी भी शीला के कद का कोई अन्य नेता उनके सामने खड़ा नहीं कर पाई. इसके बाद 2013 में अन्ना आंदोलन से निकले अरविंद केजरीवाल ने पहली बाजी जीतने के बाद ऐसा खूंटा गाड़ा कि उसे बीजेपी नहीं उखाड़ सकी. केजरीवाल के सामने बीजेपी ने कई प्रयोग किए, लेकिन चुनौती नहीं खड़ी कर सकी।

केंद्र की सत्ता पर काबिज रहने वाली पार्टी दिल्ली की सियासत को वैसे ही डील करती है। कांग्रेस और बीजेपी अपने किसी भी नेता को दिल्ली में बहुत ज्यादा स्पेस नहीं देती. दिल्ली में किसी खास नेता को स्पेस देने का मतलब है उसकी राजनीतिक हैसियत को बढ़ाना और कोई भी राष्ट्रीय पार्टी ऐसा करना नहीं चाहती। पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने भी खुद को पार्टी के अंदर स्थापित किया था। उन्हें पार्टी की तरफ से कोई बढ़ावा नहीं मिला. ठीक उसी तरह बीजेपी भी दिल्ली के नेताओं को बहुत ज्यादा अहमियत नहीं देती। यही वजह है कि वो केजरीवाल के सामने कोई मजबूत चेहरा नहीं उतार सकी।

आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस और बिना इंटेलिजेंस का जीवन

वीरेंद्र बहादुर सिंह
नोएडा उत्तरप्रदेश

समय बदलता है, वक्त निकल जाता है, नई खोजें होती हैं, अद्भुत शोध होते हैं, चंद्रमा पर घूम कर आते है और डिजिटल क्रांति का जयनाद होता है। फिर न जाने कौन,क्यों इस आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस के जमाने में मारण मंत्र, सम्मोहन विद्या आजमाने जैसे मामलों में श्रद्धा रखने वाले और उसी के अनुसार व्यवहार करने वाले मनुष्य मिलते हैं। वशीकरण और उच्चाटन विद्या को मानते हैं। भूत-प्रेत-चुड़ैल-डाकिनी का भयावह भ्रम कमजोर मन वाले मनुष्य में फैलता जाता है। जिसका डर लगता है, हमेशा उसी की बात करता है। विज्ञान के आकाश में भले उड़ते रहें, पर वास्तविक धरती पर सच्चाई भूलनी नहीं चाहिए।

कोई कहता है कि अष्टदल मंत्र लिख कर जपने से या होम करने से कोख छूटती है और संतान होती है तो 6 कोने का मंत्र लिख कर, श्वेत वस्त्र पहन कर, श्वेत आसन पर बैठ कर पूर्व दिशा में मुंह कर माला से सवा लाख बार जपने और अंगूर, चारोली, बादाम और गुग्गुल का होम करने से धन मिलता है और भविष्य में बरकत होती है। यही नहीं नया कपड़ा, नया गहना या नया कुछ भी पहनने के पहले काला धागा बांधा जाता है। निमंत्रण में लोगों को खीर खिलाने से पहले दूध में लोगों की नजर न लगे, दूध में कोयले का टुकड़ा डाला जाता है। इस तरह के न जाने कितने शकुन-अपशकुन से हमारा समाज घिरा पड़ा है।

जो परिस्थिति 1850 में थी, वही परिस्थिति 174 साल बाद आज भी है। इसमें कोई खास परिवर्तन नहीं आया है। 1850 में गुजरात के एक कवि दलपतराम ने गुजरात वर्नाक्यलर सोसायटी के लिए भूत पर एक लेख लिखा था, जिसकी अनेक आवृत्तियां अनेक भाषाओं में प्रकाशित हुई थीं। परंतु हकीकत यह है कि इतनी अधिक प्रगति होने के बाद भी समाज में पैदा होने वाले वहम में खास बदलाव नहीं आया है।

आज भी देवी को रिझाने के लिए मासूम बच्चों की बलि दी जाती है। नजर उतारने के लिए तरह-तरह के नुस्खे अपनाए जाते हैं। आकाशीय ग्रहों की चाल के अनुसार जीवन के बदलने की बात होती है और तमाम लोग उन्नति और अवनति के लिए ग्रहदशा को कारणभूत मानते हैं। इसके बाद राशि भविष्य का बोलबाला है। फल ज्योतिष की तमाम बातों में एकाध बात सच हो जाती है तो लोग मानने लगते हैं कि फल ज्योतिष सच बताने वाला शास्त्र है। इसके पीछे व्यक्ति की मान लेने वाली वृत्ति जिम्मेदार है और आज तो राजनेताओं से ले कर अपने वर्तमान या भविष्य से पीड़ित लोग इसकी शरण में पहुंच रहे हैं।

एक समय था, जब ऐसे वहम से लड़ने वाली अनेक संस्थाएं और व्यक्ति थे। रूढ़ियों का सामना करते हुए समाज से दो दो हाथ करने वाले बहादुर थे। पर पता नहीं आज इसमें अकाल सा पड़ गया है। आज 2024 में भी लोग भूतप्रेत की बातें सत्यघटना के रूप में करते हैं। कोई खुद का अनुभव बताता है तो कहीं इमली, पीपल, बरगद या खंडहर में भूत होने की बात की जाती है, तो कहीं किसी के शरीर में सवार हो कर भूत बात करता है तो कहीं किसी जानवर का रूप ले कर, आग के शोले छोड़कर लोगों को डराता है। इस तरह की मान्यताओं के कारण बहुत लोग पूरे जीवन भय में जीते हैं। डर, विषाद, हताशा और आत्मविश्वास को गिरवी रख देते हैं।

आज जब आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस की बात होती है तो भी इस समय तमाम बिना इंटेलिजेंस की बातें मानी जाती हैं। तब इस तरह को वहमों का मुकाबला करने वाले लोगों की याद आती है, जो समाज को एक सच्ची दिशा दिखाते थे। हमने मरने के बारे में तमाम शकुन और अपशकुन और मान्यताओं को इकट्ठा किया, जिनका आज के

विज्ञान युग में शिक्षित लोग भी अंधा अनुकरण करते हैं।

इसका एक मार्मिक उदाहरण यहां पेश है। हमारे गांव में एक वयोवृद्ध की मौत हो गई। उनके बेटे ने कहा कि आप दो लोगों को अंतिम संस्कार के लिए चलना है। पर धीरे-धीरे करीब 25 लोग इकट्ठा हो गए। बड़े वाहन की व्यवस्था करनी पड़ी। घाट पर उनके नाश्तेपानी की भी व्यवस्था की गई। यह स्वाभाविक है कि किसी की मौत होने पर उसके सगेसंबंधी दुख में हिस्सेदार होने और आश्वासन देने के लिए आते हैं। पर जिनका मृत व्यक्ति से कोई संबंध नहीं होता, उनका मरने पर अंतिम संस्कार में जा कर खर्च बढ़ाने का क्या अर्थ है। इससे कितने लोगों का समय, शक्ति और धन बेकार जाता है।

हमारे यहां मृत्यु की घटना को बारबार दोहराने का रिवाज है। मरने वाले के घर वालों को सांत्वना देने के बजाय बहुत लोग बारबार उसके अच्छे-खराब जीवन के बारे में बातें करते हैं। इससे भी खराब रिवाज तो यह है कि जब भी कोई नजदीकी रिश्तेदार आता है तो घर की महिलाओं को उसके सामने जोरजोर से रोना पड़ता है। जबकि यह रिवाज महज दिखावा होता है। रोने के थोड़ी देर बाद सभी सामान्य नजर आने लगते हैं।

इसके बाद दसवें दिन बाल बनवाने की बात तो साफसफाई से जुड़ी है, वह तो ठीक, पर पंडित को हजारोंलाखों के सामान का दान करना कहां तक उचित है। मरने वाला तो मर गया, उसके नाम से किया गया दान? इससे उसे क्या मिलेगा? घर वाले घर का एक आदमी खो कर वैसे ही दुखी होते हैं, उसमें इस तरह का खर्च उनके दुख को और बढ़ाता है।

फिर आता है तेरहवां दिन, जिस दिन पूरे समाज को पूड़ी-सब्जी और मिठाई खिलाई जाती है। आने वालों को आग्रह कर के खिलाया जाता है। जो लोग साधन-संपन्न होते हैं, उनके लिए तो कोई बात नहीं, पर गरीबों को यह सब कर्ज ले कर करना पड़ता है। लोग अपना परिजन तो खोते ही है, लाखों का कर्ज ऊपर से लाद लेते हैं। मृत्यु दुख का मौका है। भले ही वह किसी वृद्ध की ही मृत्यु क्यों न हो। ऐसे मौके पर रोना और फिर उसके बाद मिठाई खाना भला यह कैसा रिवाज है? सगेसंबंधी दुख बंटाने आते हैं। ऐसे में मौके को देख कर सादा भोजन ही उचित लगता है।

मृत्यु के बाद इस तरह के अजीब रिवाज और घटनाएं देखने को मिलती हैं। विवाह और मृत्यु के वहम के बंधन में हम किस तरह बंधे हुए हैं। कोई अविवाहित लड़का हो, युवा हो या अधेड़, उसके मरने के बाद यह सारे कर्मकांड करने ही पड़ते हैं। कहा जाता है कि अगर यह सब नहीं किया गया तो मरने वाले की सद्गति नहीं मिलती। उसकी आत्मा भटकती रहती है।

ऐसी ही एक रिवाज पितृ को पानी देने की है। लोग लोटे में पानी ले कर बीच रास्ते में, नदी किनारे, पीपल के पेड़ में पितृ को तृप्त करने के लिए पानी डालते हैं। एक बार संत एकनाथजी कौतुक करते हुए नदी के जल में उतर गए और अंजुरी से दक्षिण दिशा में पानी उलेचने लगे। संत की विशिष्ट रीति से हैरान हो कर किसी ने पूछा, अरे एकनाथजी, आप यह क्या कर रहे है?

संत एकनाथजी ने कहा, मैं अपने खेत की सिंचाई कर रहा हूं।

यह सुन कर सवाल करने वाले को हैरानी हुई। उसने पूछा, ÷आप नदी के बीच में खड़े हो कर अंजुली से पानी उलेच रहे हो, यह पानी आप खेत में कैसे पहुंचेगा?÷ संत एकनाथ ने कहा, ÷अरे भाई, मेरा खेत तो नदी के पास है। अगर मेरा पानी मेरे खेत में नहीं पहुंच सकता तो जो तुम लोग अपने पितरों के लिए इतनी दूर से पानी उड़लते हो, तो वह उन तक कैसे पहुंचता होगा? जब आप के पूर्वज जिंदा थे, तब उन्हें पानी दिया होता तो वे संतुष्ट होते। बाकी इस सब का क्या मतलब? इस तरह के वहम और रीति-रिवाज के पीछे समय और, बुद्धि गंवाना है।

कविता
ये ठंडी सुहानी सर्द हवाएं...

घटती-घटना

अशोक पटेल
तुम्मा,
शिवरीनारायण
छत्तीसगढ़

ये ठंडी-सुहानी सर्द हवाएँ
ये तन-मन को कँप-कँपाए।
ये गुनगुनी प्यारी धूप है छाए
ये गुलाबी ठंडी मन को भाए।
बागों में फूलों से बहार आए
फूल-कलियाँ मस्त मुस्काए।
भम्रर-वृन्द तितलियाँ मंडराए
मकरंद गन्ध से मदहोशी छाए।
कोयल की मीठी तान सुनाए
मानो वसन्त का सन्देशा लाए।
अमराई में सौरभता छा जाए
नव-पल्लव में ताम्र तमतमाए।
चहुँ-दिसि चहुँ-ओर रौनक छाए
बहुरंगी फूल-कली खिल आए।
लाल-गुलाबी,नारंगी मन भाए
सिंदूरी वासन्ती वसुधा रंग जाए।
ऋतु वसन्त का सुअवसर आए
खग वृन्द उछाह सुमङ्गल छाए।
प्रिय मन में अति सनेह जगाए
प्रियतम को अब याद है सताए।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

गोली मारने की धमकी देकर व्यवसायी से 10 लाख रुपए की मांग

रोहतक के चार आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 04 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

दो दिन पूर्व मनेन्द्रगढ़ रोड स्थित मार्बल दुकान में जाकर व्यवसायी को डरा धमका कर जेल में बंद अपने साथियों को छुड़ाने के लिए 10 लाख रुपए की मांग की थी। व्यवसायी की रिपोर्ट पर गांधीनगर पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शेशर अग्रवाल एमजी रोड पटपरिया थाना गांधीनगर का रहने वाला है। इसका एमजी रोड में रवि मार्बल नाम से दुकान है। 2 जनवरी की सुबह 11 बजे अर्टिगा कार से 3 अज्ञात व्यक्ति इसके दुकान में आए थे और अपने मोबाइल से इसके मोबाइल पर मिस कॉल किया और अगले दिन पुनः आने की बात कह कर जेल में बंद अपने साथियों को छुड़ाने के लिए 10 लाख रुपए की मांग की। नहीं देने पर गोली मारने की धमकी दी थी। इसके बाद सभी वापस चले गए। इसके बाद पुनः शेखर अग्रवाल के मोबाइल पर व्हाट्सएप कॉल कर धमकी देते हुए रुपए की मांग की गई। परेशान होकर शेखर ने

मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाना में दर्ज कराई। मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू की। विवेचना के क्रम में पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। साइबर सेल की मदद से पुलिस ने उदयपुर के पास से कार सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में अजय पिता राजवीर लोहार उम्र 23 साल निवासी भगवतीपुरा थाना लाखनमाजरा जिला रोहतक हरियाणा, मन्नु पिता कृष्णा लोहार उम्र 27 साल साकिन छिछलाना तहसील गोहाना थाना बड़ोंदा जिला सोनीपत हरियाणा, मनीष सिंह उर्फ बाबा पिता कश्मीर सिंह उम्र 27 वर्ष निवासी खिलोई थाना सदर रोहतक हरियाणा व प्रवीण पंचाल पिता चंद्रभान उम्र 40 वर्ष निवासी करोंथा थाना रोहतक सदर जिला रोहतक हरियाणा शामिल है।

31 दिसंबर को आए थे आरोपी

गिरफ्तार चारो आरोपी 31 दिसंबर को आए थे और मनेन्द्रगढ़ रोड स्थित एक होटल में रूके थे। इसके बाद केन्द्रीय जेल अंबिकापुर में बंद अपने साथियों से मुलाकात की। इनके साथी रोहतक से बाहुबल से रुपए कमाने अंबिकापुर आए थे और कट्टे की नोक पर बाइक लूट की घटना को अंजाम दिया था। मामले में सरगुजा पुलिस ने इनके 5 गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। मुलाकात के दौरान जेल में बंद विजय नामक आरोपी ने आरोपियों को बताया था कि शेखर अग्रवाल काफी डरपोक है उसे कुछ पैसा हमारे जमानत के लिए मिल सकता है। इसके बाद आरोपियों ने 2 जनवरी को शेखर अग्रवाल के दुकान पहुंचकर गोली मारने की धमकी देकर 10 लाख रुपए की मांग की थी। बाहुबल का काम करने आए और कट्टे की नोक पर बाइक लूटने के मामले में जेल में बंद 5 आरोपियों ने पूर्व में डरा धमका कर व्यवसायी शेकर से 50 हजार लेने की जानकारी पुलिस को मिली है। उक्त सम्बन्ध में पुलिस तस्दीक कर रही है।

गिरफ्तार आरोपी गए जेल

दुकान जाकर 10 लाख रूपये की मांग करने व रुपए नहीं देने पर व्यवसायी व उसके परिवार की हत्या करने की धमकी देने के मामले में गिरफ्तार सभी आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त कार, मोबाइल जब्त किया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक मोरध्वज देशमुख, उप निरीक्षक नवल किशोर दुबे, सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, स्पेशल टीम प्रभारी सहायक उप निरीक्षक विवेक पाण्डेय, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, आरक्षक मनीष सिंह, जितेश साहू, अशोक यादव, रमेश राजवाड़े, सत्येंद्र दुबे, संजीव चौबे, राहुल सिंह, अमित विश्वकर्मा शामिल रहे।

ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय सरगुजा अम्बिकापुर द्वारा ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन विषय पर कुलपति प्रेम प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ एआईएसएचई की राज्य नोडल अधिकारी तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य अधिकारी डॉ. नीता बाजपेयी तथा कार्यशाला के संरक्षक विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. शारदा प्रसाद त्रिपाठी उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता स्वामी आत्मानंद शासकीय आदर्श कॉलेज धनोरा के डॉ विकास पंचाक्षरी एवं विशिष्ट

अतिथि डॉ. रिझवान उल्लाह अपर संचालक उच्च शिक्षा विभाग थे। इस कार्यशाला में संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यों तथा उनके एआईएसएचई के नोडल अधिकारी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के समन्वयक एवं संचालक विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी डॉ. आनन्द कुमार थे। डॉ. विकास पंचाक्षरी ने एआईएसएचई की पोर्टल पर लाईव डेमो के माध्यम से कार्यशाला में उपस्थित सभी लोगों को एआईएसएचई के पोर्टल पर डाटा भरने की तकनीकि जानकारी दीया। साथ ही साथ उन्होंने महाविद्याय से आये हुए नोडल अधिकारियों को पोर्टल पर जानकारी भरने व सम्बधित समस्याओं का समाधान किया। डॉ. नीता बाजपेयी ने सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) के सम्बंध में शासन की चिंता से लोगों को अवगत कराते हुए प्राईवेट छात्रों के आंकड़ों को भरने की भी सलाह दिये। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रेम प्रकाश सिंह ने उपस्थित प्राचार्यों तथा कालेजों के नोडल अधिकारियों को पुरी इमानदारी से कार्य करने लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ शारदा प्रसाद त्रिपाठी ने विश्वविद्यालय में 9 एवं 10 जनवरी 2025 को आयोजित होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही विश्वविद्यालय एवं शासन द्वारा प्रदान दिशा निर्देशों को पूरी कर्तव्य व निष्ठा से पालन करने का संदेश दिये। कार्यक्रम में हरिशंकर प्रसाद टोंडे, डॉ. जयस्तु दत्ता, डॉ. धीरज कुमार यादव, डॉ. सुषमा, डॉ. अमृता कुमारी पाण्डा, डॉ. जुनैद खान, डॉ. मुकेश कुमार नाग, डॉ. समन नारायण उपाध्याय, असीम केरकेट्टा, डॉ. मनोज कुमार झारिया, डॉ. अर्नब बनर्जी एवं खेमकरण अहिरवार प्रमुख उपस्थित थे।

लखनपुर क्षेत्र में चार अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में पांच लोग हुए घायल

क्षेत्र में शराब पीकर वाहन चलाने के कारण बढ़ रही सड़क दुर्घटनाएं

संजीवनी बनी डायल 112

- संवाददाता -
लखनपुर, 04 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र में बिना हेलमेट शराब पीकर वाहन चलाना लोगों को भारी पड़ रहा है आए दिन सड़क दुर्घटनाओ में वृद्धि देखने को मिल रही है। खुलेआम यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। पुलिस प्रशासन के द्वारा बीच-बीच में यातायात नियमों का पालन करते हुए बाइक चलाते समय हेलमेट का उपयोग करने शराब पीकर वाहन न चलने ,तीन सवारी न बैठाने, धीमी गति से वाहन चलने तथा यातायात नियमों का पालन करने को लेकर लोगों को जागरूक किया जाता है। परंतु लखनपुर क्षेत्र में बिना हेलमेट शराब के नशे में धुत बाइक सवार तीन सवारी बैठाकर फर्राटे से सड़कों पर वाहन चलाते नजर आते हैं। प्रशासन को चाहिए कि ऐसे लोगों पर कार्रवाई करें। लखनपुर थाना क्षेत्र में बीती रात चार अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में पांच लोग घायल हो गए। दो की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रिफर भी किया गया है। नेशनल हाईवे 130 स्थित लखनपुर सुमन पेट्रोलियम के समीप सड़क किनारे खड़े पिकअप के पीछे बाइक सवार जा टकराये घटना में मदनपुर मलगांव निवासी बाइक सवार युवक जय सिंह का पैर टूट गया जिसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

वहीं दूसरी घटना एनएच 130 स्टेट बैंक ऑफ़ लखनपुर के पास बाइक सवार अनियंत्रित होकर गिरे जिसमें गीता राजवाड़े ग्राम गोरता और विपिन ग्राम निमहा निवासी घायल हुए लखनपुर अस्पताल में उपचार उपरांत अपने घर लौटे।

वहीं तीसरी घटना बगदरी से सामने आई जहां बाइक सवारों में राहगीर युवक को जोरदार ठोकर मार दी। जो सड़क किनारे अचेत अवस्था में पड़ा हुआ था। सूचना पर डायल 112 के आरक्षक रमाशंकर चालक हर्ष मानिकपुरी मौके पर पहुंची और घायल संजू राजवाड़े को उपचार हेतु लखनपुर अस्पताल लेकर आए सर के पिछले हिस्से में गंभीर चोटे आई थी। लखनपुर अस्पताल में उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

वही चौथी घटना में ग्राम बेलदगी की है सड़क किनारे खड़े बाइक सवारों को तेज रफ्तार बाइक सवारो ने जोरदार ठोकर मार दी। जिसमें दो लोग घायल हो गए जो उपचार के बाद अपने गृह ग्राम बेलदगी लौटे। सभी घायलों को एक के बाद एक डायल 112 टीम के द्वारा उपचार हेतु लखनपुर अस्पताल लाया गया था। सभी घटनाएं 2 घंटे के भीतर की हैं और चार अलग-अलग स्थान से डायल 112 टीम सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंची और घायलों को समय रहते उपचार हेतु लखनपुर अस्पताल लेकर पहुंचती। जहां घायलों को सही समय पर प्राथमिक उपचार मिल सका।

गुरु गोविन्द सिंह के प्रकाश पर्व पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,04 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

सिख समाज द्वारा 4 जनवरी को धन-धन गुरु गोविन्द सिंह के 358 वें प्रकाश पर्व के अवसर पर भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा अंबिकापुर से शोभायात्रा दोपहर 2 बजे आरंभ हुई। जो सदर रोड होते हुए गुरुद्वारा गुरु नानक निवास बाबूपारा पहुंची वहां से ब्रह्म रोड, संगम चौक, महामाया चौक होते हुए वापस गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा पहुंची। शोभायात्रा की शुरुआत गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा से जो बोले सो निहाल सत श्री अकाल के जयकारे के साथ हुई।

गुरु ग्रन्थ साहिब जी सजी पालकी की अगुवाई खालसा रूप में सजे पंज प्यारे गुरचरण सिंह छाबड़ा, सोनू भामरा, गुरसेवक सिंह, प्रताप सिंह, सोहेल नवराज सिंह बाबरा व निशान साहिब थामे जसमीत सिंह छीना और गुरजोत सिंह ने की। शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण भिलाई से आई हुई गतका पार्टी थी।

जिसने रास्ते में अपने रण कौशल एवं कला से नगरवासियों का मन मोह लिया। पूरे मार्ग में जगह-जगह समाज के विभिन्न वर्ग के लोगों ने बड़े ही श्रद्धा के साथ स्वागत किया। गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा में वापसी के पश्चात शब्द कीर्तन व अरदास के पश्चात गुरु का अटूट लंगर वितरित किया गया। गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा के प्रधान रघुवीर सिंह छाबड़ा, सचिव नरेन्द्र सिंह भामरा और पंजाबी युवा समिति के अध्यक्ष अमितोज सिंह टुटेजा ने समूह साध संगत को गुरु पर्व के उपलक्ष में बधाइयां दी। 6 जनवरी को प्रकाश पर्व के अवसर पर समाज के सभी वर्गों से अधिक से अधिक संख्या में आने की अपील की है। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी सरदार जगदीप सिंह छाबड़ा रिंकू और जितेंद्र सिंह सोढ़ी ने दी है।

वीडिया वायरल करने की धमकी देकर महिला से कई बार बलात्कार, आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 04 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

अकेली महिला के घर में घुसकर 18 फरवरी को एक युवक ने बलात्कार की घटना को अंजाम दिया था। घटना के दौरान आरोपी पीड़िता का वीडिया भी बना लिया था। इसके बाद वह उक्त वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर कई बार बलात्कार किया। पीड़िता लोक लज्जा के कारण किसी को घटना की जानकरी नहीं दी थी। इसी बीच आरोपी ने उक्त वीडिया को कुछ लोगों के बीच वायरल भी कर दिया था। इसक बाद पीड़िता ने मामले की रिपोर्ट 3 जनवारी को रघुनाथपुर चौकी में दर्ज कराई थी। मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।

पुलिस के अनुसार 18 फरवारी 2024 को पीड़िता घर में अकेली थी। रात में रामनाथ दास पीड़िता के घर में घुसकर जबरन बलात्कार किया। इस दौरान वह घटना का वीडिया भी अपने मोबाइल से बना लिया था। आरोपी घटना के बारे में किसी को बताने पर उक्त वीडिया को वायरल करने की धमकी देकर पीड़िता के साथ कई बार बलात्कार किया। वहीं लोक लज्जा की डर से पीड़िता घटना के बारे में किसी को नहीं बताई थी। इस बीच आरोपी उक्त वीडिया को एक-लोगों को दिखाकर वायरल कर दिया था। इसके बाद पीड़िता ने 3 जनवरी को रघुनाथपुर चौकी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी रामनाथ दास को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 450, 376 (2) (एन), 506, 509 (ख) के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

63 नग प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,04 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

63 नग प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन के साथ गांधीनगर पुलिस ने दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी नशीले इंजेक्शन बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे थे। जब्त नशीले इंजेक्शन की कीमत 31 हजार 500 रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार 3 जनवरी को गांधीनगर थाना प्रभारी मोरध्वज देशमुख को मुखबिर से जानकारी मिली की भगवानपुर खुर्द में दो व्यक्ति नशीले इंजेक्शन बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे हैं। मुखबिर की सूचना पर थाना प्रभारी टीम के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर दोनों युवक तेजी से खेत की ओर भागने की कोशिश करने लगे। पुलिस ने दौड़ाकर दोनों को हिरासत में लिया। पुलिस ने उनके

झोले की तलाशी ली तो कुल 63 नग प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन पाया गया। जिसे पुलिस ने जब्त किया है। जब्त नशीले इंजेक्शन की कीमत 31 हजार 500 रुपए बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने आरोपी मुकेश टोप्पो उम्र 21 वर्ष निवासी बिशुनपुर खुर्द थाना गांधीनगर, गिरवर दास उम्र 29 वर्ष निवासी करवा गजाधरपुर चौकी लटोरी थाना जयनगर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 22 (सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

घर बैठे ऑनलाइन बिजनेस के नाम पर युवक से 5 लाख की ठगी

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 04 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

घर बैठे ऑनलाइन बिजनेस दिलाने का झांसा देकर युवक से 5 लाख रुपए ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार शहर के ब्रह्मपारा निवासी हिमांशु कश्यप ने पुलिस को बताया कि 15 दिसंबर को फेसबुक पर रक्षा की रसोई के नाम से ऑनलाइन बिजनेस का स्टेटस देखने पर उसे क्लिक किया था। इसके बाद अज्ञात व्यक्ति का हिमांशु के मोबाइल पर कॉल आया और घर बैठे बिजनेस की बात बताई। अज्ञात व्यक्ति ने एक स्क्रीन शॉट उसके मोबाइल पर भेजा। इसके बाद 120 रुपए हिमांशु की पत्नी के खाते में आया। इसके बाद टेलीग्राम लिंक भेजा जिसका टेलीग्राम पेज चीफ फाइनेंसियल ऑफिसर के नाम पर था। जिसमें टॉस्क पूरा करने का मैसेज आया और लिंक भेजकर 1 हजार रुपए भेजने के लिए कहा गया। हिमांशु ने फोन पे के माध्यम से 1 हजार रुपए भेजा और उसी दिन उसकी पत्नी के खाते में वापस आ गया। इसके बाद 17 से 23 दिसंबर तक लिंक भेजकर कुल 5 लाख रुपए मंगाया गया और हर बार उसे झांसा दिया गया कि आपको एकमुश्त रुपए वापस आएगा। इसके बाद ठगी का एहसास होने पर हिमांशु कश्यप ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज करई है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

चीन की फूड मार्केट में भीषण आग, 8 लोगों की मौत,15 की हालत गंभीर

» बाजार में आग लगने से मची तबाही
» घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य जारी है...

बीजिंग, 04 जनवरी 2025। चीन के उत्तरी शहर झांगजियाकौ में एक फूड मार्केट में भीषण आग लग गई, जिससे आठ लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने एक सरकारी अधिकारी का हवाला देते हुए बताया कि झांगजियाकौ शहर के लिगुआंग बाजार में आग शनिवार दोपहर को लगी और दोपहर 2.00 बजे (0600 GMT) तक पूरी तरह से बुझ गई। रिपोर्ट के मुताबिक,आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। आग की वजह गैस की बोतलों से लेकर मांस भूनने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले चारकोल और छोड़ी गई सिगरेट तक हो सकती हैं, जबकि भूमिगत गैस लाइनों जैसे पुराने बुनियादी ढांचे को भी आग और विस्फोटों के लिए दोषी ठहराया गया है।

हादसे से बाजार में हड़कंप

बीजिंग की सीमा से लगे हेबेई प्रांत में स्थित झांगजियाकौ ने 2022 शीतकालीन ओलंपिक खेलों के दौरान कार्यक्रमों की मेजबानी की। झांगजियाकौ शहर में हुए इस हादसे के कारण बाजार में भारी तबाही मच गई। स्थानीय प्रशासन घटना की जांच कर रहा है और घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य जारी है।

इससे कुछ दिन पहले चीन के झुहाई से एक सड़क हादसे की खबर सामने आई थी। ड्राइवर बेकाबू वाहन लेकर भीड़ में घुस गया था। इस भीषण सड़क हादसे में 35 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 43 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

चीन के झुहाई में भी हुआ था हादसा रिपोर्ट के मुताबिक झुहाई में इस समय चीन का प्रतिष्ठित एयर शो चल रहा है। इस कारण शहर में काफी भीड़-भाड़ है। इस हाइप्रोफाइल कार्यक्रम के दौरान व्यस्ततम इलाके में 62 वर्षीय ड्राइवर बेकाबू वाहन के साथ पहुंच गया। चालक को हिरासत में ले लिया गया है। यह दुर्घटना है या हिट एंड रन का मामला, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है।

अमेरिका में नहीं रुक रही गोलीबारी की घटनाएं,अब वाशिंगटन में अंधाधुंध फायरिंग में 4 घायल

वाशिंगटन,04 जनवरी 2025। अमेरिका में गोलीबारी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। बीती रात भी नॉर्थईस्ट डीसी में गोलीबारी से चार लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। रात करीब 9 बजे हुई इस घटना में तीन पुरुष और एक महिला घायल हो गए।

मेट्रो स्टेशन के पास हुई गोलीबारी

मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग (एमपीडी) के अनुसार, हमले के बाद सभी पीड़ित होश में थे और सांस ले रहे थे। गोलीबारी हैरी थॉमस वे नॉर्थईस्ट के 1500 ब्लॉक में हुई, जो नोमा-गैलाउडेट यू न्यूयॉर्क एवेन्यू मेट्रो स्टेशन से सिर्फ 500 फीट की दूरी पर है।

घायल पीड़ितों में से दो को अस्पताल भर्ती कराया गया, जबकि दो खुद ही पास के अस्पताल में चले गए। पुलिस ने कहा कि पीड़ितों की स्थिति अभी स्थिर है।

पीड़ितों की नहीं हुई पहचान

पुलिस ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद आसपास के लोगों में चिंता पैदा हो गई और वो भागने लगे थे। इस जगह पर आमतौर पर भीड़भाड़ रहती है, लेकिन इसे अब खाली करा लिया गया है। पुलिस के जासूस सबूत इकट्ठा करने और संभावित गवाहों की पहचान करने पर काम कर रहे हैं।

WUSA9 की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने अभी तक पीड़ितों की पहचान जारी नहीं की है, न ही संदिग्धों या उद्देश्यों के बारे में कोई जानकारी दी है।

चार दिनों में चौथा हमला

चार दिनों से अमेरिका में लगातार हमले हो रहे हैं। इससे पहले न्यूयॉर्क के क्वींस में एक नाइट क्लब में अंधाधुंध गोलीबारी हुई थी, जिसमें 11 लोग घायल हो गए थे। जिस नाइट क्लब में यह घटना हुई, उसका नाम अमजूरा नाइट क्लब है।

लायंस क्लब अम्बिकापुर द्वारा ठिठुरते लोगों को कम्बल ओढ़ाये गए...

- संवाददाता -

अम्बिकापुर,04 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

लायंस क्लब अम्बिकापुर सरगुजा द्वारा विगत कई वर्षों की भांति इस वर्ष भी नव वर्ष के आगमन पर 31 दिसम्बर की रात्रि में कंबल ओढ़ाने का कार्यक्रम आयोजीत किया गया साथ ही शहर के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में सेक्युरिटी गार्ड का कार्य करने वाले सेक्युरिटी गार्डों को भी सम्मानित कर शाल और कम्बल प्रदान किया गया।

कम्बल वितरण कार्यक्रम के अंतर्गत रामानुजगंज रोड, प्रतापपुर रोड, मिशन हॉस्पिटल,आकाशवाणी चौक,पी.जी. कालेज के सामने,कोर्ट के सामने खुले आसमान के नीचे सोये हुए लोगोंको, सदर रोड, ब्रह्म रोड, संजीवनी हॉस्पिटल के पास रैनबसेरा में,हॉस्पिटल रोड में कम्बल वितरित किये गए । कार्यक्रम का समापन लेज़र हॉस्पिटल में सेक्युरिटी गार्ड के सम्मान के साथ किया गया और परस्पर नववर्ष पर बधाइयां दी गई ।

इस अवसरपर लायंस इंटरनेशनल गवर्नर 2011-12 डॉ जी डी सिंह ,एल.पी गुप्ता,जोन चेयरमैन अनिल शुक्ला,अनुजकुमार सिंह,बिजेन्द्र पाठक, डॉ. यशवर्द्धन सिंह, पंकज अग्रवाल, पी.के.गोयल,दीपक अग्रवाल नरेश अग्रवाल आदि सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रही।

पिकनिक मनाने गए कार सवार से मारपीट,रिपोर्ट दर्ज

- संवाददाता -

अंबिकापुर,04 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

पिकनिक मनाने गए कार सवार से बाइक सवार बदमाशों ने 2 हजार रुपए टैक्स की मांग की। आपत्ति करने पर बाइक सवारों ने कार में तोड़फोड़ कर मारपीट की है। कार में महिला व बच्चे भी थे। कार सवार ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाना में दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार ठेकेदार मृत्युंजय मंडल ने पुलिस को बताया कि 1 जनवरी को वह पंकज गुप्ता, रिशु सोनी, रश्मि सिंह, कविता बेहरा, पूजा जायसवाल मिनी दीवान के साथ कोल्डीहा पिलखा पहाड़ में पिकनिक मनाने गया था। वापस लौटते समय रास्ते में कोल्डीहा खुटेनपारा में पानी टंकी के पास सड़क पर पहुंचे थे की बाइक क्रमांक सीजी 15 सीएम 0525 व सीजी 15 डीयू 8141,सीजी 15 डीजेड 3108 को रास्ते में खड़ा कर कुछ युवक खड़े थे। कार सवार मृत्युंजय मंडल द्वारा साइड देने के लिए हॉर्न बजाया तो 4 लोग बाइे से उतरकर आए और 2 हजार रुपए टैक्स मांगने लगे7 नहीं देने पर कार में तोडफ़ोड़ व मारपीट की घटना को अंजाम दिया था। मृत्युंजय ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाना में दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

बाइक से गिरकर जख्मी महिला की मौत

- संवाददाता -

अंबिकापुर,04 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

बाइक में साड़ी फंसने से महिला गिरकर जख्मी हो गई थी। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार रचबंधनी पति मनबहाल उम्र 50 वर्ष जशपुर जिले के बगीचा की रहने वाली थी। वह 3 जनवारी को अपने भतीजा रिझन के साथ बाइक से घर जा रही थी। इस दौरान उसकी साड़ी बाइक में फंस गई और वह गिर कर जख्मी हो गई। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलााज के दौरन उसकी मौत हो गई।

पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या को लेकर सरगुजा के पत्रकारों में भी आक्रोश,निकाली रैली

» बीजापुर के पत्रकार की हत्या के आरोपी ठेकेदार व उसके साथियों को फांसी की सजा देने समेत अन्य मांगों को लेकर राज्यपाल के नाम सौंपा गया ज्ञापन...

- संवाददाता -

अंबिकापुर,04 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

बीजापुर के पत्रकार मुकेश चंद्रकार की जघन्य हत्याकांड को लेकर पूरे प्रदेश भर के पत्रकारों में रोष है। बीजापुर में जहां पत्रकारों ने चक्काजाम किया,वहीं राजधानी रायपुर में भी रैली निकालकर प्रदर्शन किया गया। इसी कड़ी में सरगुजा संभाग मुख्यालय अंबिकापुर में भी पत्रकारों ने घटना पर रोष व्यक्त किया। उन्होंने पत्रकार के हत्यारे ठेकेदार व उसके साथियों को फांसी देने, उसकी संपत्तियों को अटैच करने, उसके सारे ठेके रद्द करने, उसकी अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर चलाने सहित अन्य मांगों को लेकर रैली निकाली। इस दौरान उन्होंने राज्यपाल व सीएम के नाम ज्ञापन अंबिकापुर तहसीलदार को सौंपा।

पत्रकारों की सुरक्षा पर उठाए सवाल

सरगुजा के पत्रकारों ने शासन-प्रशासन के सामने पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि क्या पत्रकार सिर्फ शासन, प्रशासन व ठेकेदारों का महिमा मंडन छापे? क्या वह सच्चाई दिखाना बंद कर दे? यदि वह भ्रष्टाचार से संबंधित खबरें लिखता है या दिखाता है तो उसकी जान पर बन आती है। आज पत्रकार कहां सुरक्षित है? उसे हर पल अपनी जान का खतरा बना रहता है।

सरगुजा प्रेस क्लब के बैनर तले अंबिकापुर के पत्रकारों ने दोपहर ढाई बजे गांधी चौक से रैली निकाली। रैली घड़ी चौक होते हुए कलेक्टोरेट पहुंची, यहां तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। पत्रकार मुकेश चंद्रकार हत्याकांड को लेकर सरगुजा के पत्रकारों ने दुख व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि यह पत्रकारों को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा गया है, लेकिन चौथे स्तंभ को कुचलने के जिस तरह से प्रयास किए जा रहे हैं, उसे सभ्य समाज में कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। पत्रकार समाज का आईना होता है। वह अपने आस-पास हो रही घटनाएं दिखाने के अलावा भ्रष्टाचार को उजागर करता है।

भ्रष्टाचार उजागर करने वाली खबरें अपनी जान जोखिम में डालकर प्रशासन के सामने लाता है। इस मामले में भी यही हुआ, मुकेश चंद्राकर ने 120 करोड़ के रोड में भ्रष्टाचार का खुलासा किया तो उसकी जघन्य हत्या कर उसे सैप्टिक टैंक में फेंक कर दिया गया।

पत्रकार सुरक्षा कानून की उठी मांग

पत्रकार मुकेश की हत्याकांड के बाद फिर से पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग उठने लगी है। पिछली कांग्रेस सरकार ने पत्रकार सुरक्षा कानून लाया, लेकिन उसे अमलीजामा नहीं पहना सकी। सरकार भी बदल गई,लेकिन शासन में बैठे लोग पत्रकार सुरक्षा कानून की बात तक नहीं कर रहे हैं। पत्रकारों ने प्रदेश में पत्रकारों की सुरक्षा की दृष्टि से पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग की है।

प्रदर्शन में ये पत्रकार रहे उपस्थित

रैली में दीपक सराठे,रोमी सिद्दीकी, अनंग पाल दीक्षित,प्रणय राज सिंह राणा, अभिषेक सोनी,असीम सेन गुप्ता,रामप्रवेश विश्वकर्मा,रामकुमार यादव,आदित्य गुप्ता,दिलीप जायसवाल,शेखर गुप्ता,सुमित सिंह,सुशील बखला,आकाश प्रधान, मनीषा सिन्हा, माही सिंह,संजय रजक,दीपक गुप्ता,दिनेश गुप्ता समेत काफी संख्या में पत्रकार शामिल रहे।

सरगुजा सांसद ने प्रधानमंत्री आवास निर्माण, सड़क और जिला चिकित्सालय का किया निरीक्षण

- संवाददाता -

अम्बिकापुर,04 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने अम्बिकापुर नगर निगम क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कतकालो वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, बांकी डेम और तकिया वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर श्री विलास भोसकर एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि श्री आलोक दुबे सहित अधिकारी भी मौजूद रहे।

सांसद श्री चिंतामणि ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी गर्मियों के दिनों में शहर में पेयजल की समस्या न आने पाए, इसके लिए पूरी तैयारी सुनिश्चित करें। पिछले कुछ वर्षों में अम्बिकापुर नगर निगम क्षेत्र में गर्मियों के मौसम में पेयजल संकट की स्थिति उत्पन्न होती है, जिसको देखते हुए पहले से ही आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने शहरी पेयजल आपूर्ति के लिए बांकी डेम पर निर्भरता कम करने के लिए श्याम घुनघुटा परियोजना अंतर्गत कतकालो वाटर ट्रीटमेंट प्लांट की क्षमता बढ़ाने के लिए डीपीआर तैयार करने की बात कही जिससे पेयजल की आपूर्ति में सुधार होगा और भविष्य में किसी भी प्रकार की जल संकट से बचा जा सकेगा। इस निरीक्षण के दौरान सांसद श्री महराज और कलेक्टर श्री भोसकर ने जल आपूर्ति की मौजूदा स्थिति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को शीघ्र समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री आवास का निरीक्षण

सांसद श्री चिंतामणि और कलेक्टर श्री भोसकर ने अम्बिकापुर नगर निगम के सुभाष नगर में बन रहे प्रधानमंत्री आवास योजना के कॉलोनी का निरीक्षण कर निर्माण कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। गौरतलब है कि स्लम एरिया में रहने वाले नागरिकों के लिए किफायती दर पर पक्का मकान मिले सके। इसके लिए 22 करोड़ 40 लाख की लागत से 17 ब्लॉक की कॉलोनी बनाई जा रही है, जिसमें प्रत्येक ब्लॉक में 29 आवास बनाए जाएंगे। जिसमें पार्किंग, बच्चों के लिए प्ले ग्राउंड और आंगनबाड़ी की व्यवस्था की जाएगी। इस योजनांतर्गत स्लम एरिया में रहने वाले नागरिकों को किफायती दरों में पक्का मकान उपलब्ध कराए जाएंगे। यह परियोजना न केवल स्लम एरिया में रहने वाले नागरिकों को सस्ती दर पर आवास प्रदान करेगी, बल्कि उनके जीवन स्तर में भी सुधार लाएगी।

सांसद ने एनएच सड़कों का किया निरीक्षण

सांसद ने शहरी यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के एनएच अधिकारियों के साथ शहरी एनएच सड़कों का निरीक्षण किया। गौरतलब है कि पूर्व में सांसद ने एनएच सड़कों पर जलभराव की स्थिति को दूर करने के लिए प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया था जिसका लेआउट प्लान तैयार कर लिया गया। एनएच अधिकारियों ने बताया कि रेलवे स्टेशन से अम्बेडकर चौक और भारत माता चौक से दरिमा मोड़ तक सड़क निर्माण एवं मरम्मत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि केंद्र शासन से मंजूरी मिलते ही सड़क निर्माण कार्य में तेजी आएगी।

इसके साथ ही सांसद श्री चिंतामणि ने जिला चिकित्सालय का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पोस्टमार्टम कक्ष के बाहर शेड निर्माण के निर्देश दिए। उन्होंने सभी वार्डों में जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और हमर लैब में भी मेडिकल सुविधाओं का निरीक्षण किया।

क्या फौज के जवान से भी खतरनाक हो गई है पत्रकार की जिंदगी ?

घर से जब कोई पत्रकार निकलता होगा तो उसका पूरा परिवार उसके आने के राह देखता होगा...

क्या श्रद्धांजलि तक ही सीमित रह जाएगी किसी पत्रकार की मौत ?

देश के सरहद पर किसी घर का बेटा खड़ा रहता था तो परिवार को चिंता होती थी, कुछ ऐसे ही स्थिति पत्रकारिता में हो गई है, पत्रकार का खबर के लिए निकलना और घर सकुशल पहुंचने का इंतजार परिवार को रहता है

पत्रकार को शहीद का दर्जा कैसे मिलेगा ?

सरकारी आती है जाती हैं पर पत्रकारों की समस्या व उनकी सुरक्षा की समस्या जस की तस बनी रहती है सुरक्षा तो दूर उन्हें सम्मान भी अपने काम के दौरान मौत आने पर नहीं मिलती है,अपने काम की वजह से हुए भ्रष्टाचार्यों के दुश्मन बन जाते हैं और वही दुश्मनी उनके जीवन के लिए खतरा होती है, इस समय पत्रकारिता करना और सच्ची खबर लिखना कितना खतरनाक है यह अब किसी से छुपा नहीं है, सच्ची पत्रकारिता आपकी जान ले सकती है और जान लेने वाले कोई और नहीं आपकी खबरों से क्षुब्द रहने वाले ही होते हैं, बस्तर में पत्रकार की हत्या पर अभी राजनीति से लेकर तमाम तरीके की बात होगी पर उसकी शहादत की बात कोई नहीं करेगा, एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाए जाएंगे,पर पत्रकार को भी सम्मान मिले इस पर कोई बात नहीं करेगा,उसके हत्यारे को कड़ी सजा मिले यह भी प्रयास क्या जल्द होगा?

सेप्टिक टैंक में मिली पत्रकार की लाश

पत्रकार चुनौतियों का सामना करते हैं यह साबित करने की ज़रूरत नहीं है। तीन दिनों से लापता पत्रकार मुकेश चंद्राकर की लाश घर से 2 किमी और बीजापुर थाने से पांच किमी की दूरी पर चट्टानपारा इलाके में सेप्टिक टैंक में मिली है,लाश मिलने की सूचना पर पुलिस ने मौके की घेराबंदी कर जांच में जुटी है। मुकेश चंद्राकर 1 जनवरी की शाम टी-शर्ट और शॉर्ट्स में घर से बाहर निकले थे, कुछ देर के बाद उनका फोन स्विच ऑफ हो गया, रात तक घर नहीं लौटने पर उनके भाई और पत्रकार युकेश चंद्रकार ने करीबियों के घर शहर में अलग-अलग जगह पता लगाया, कोई खबर नहीं मिलने पर युकेश चंद्रकार ने पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। मुकेश के गुमशुदगी रिपोर्ट पर संज्ञान लेते हुए सुंददराज पी ने शाम तक स्थिति स्पष्ट होने की बात कही थी, उन्होंने मीडिया से चर्चा में बताया था कि टीम को पड़ताल के लिए एक्टिव किया गया है, जानकारी पर एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही थी इसके अलावा पुलिस की एक टीम को दिल्ली रवाना किया गया था।

पत्रकार के परिवार के लिए सरकार की संवेदना क्या होगी ?

वर्तमान में भाजपा की सरकार है और पत्रकार के यदि हमले की बात की जाए तो कई मामले 1 साल में आ चुके हैं झूठे मामले तो होते ही है, जान पर भी अब आन पड़ी है पत्रकारों के, बस्तर में पत्रकार की जिस तरह से हत्या की खबर आ रही है अब इससे आप यह अंदाजा लगा सकते हैं कि पत्रकार के परिवार पर क्या गुजर रही होगी? पर क्या सरकार पत्रकार के परिवार की संवेदना को समझेगा? क्या उसकी सहायता के लिए सारी बंदिशे तोड़कर खड़ा होगा? पत्रकार के परिवार वाले को मुआवजा व नौकरी सरकार देगी?

-आजाद कलम-
बस्तर,04 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

अभी तक सबसे खतरनाक जीवन के लिए कुछ होता था तो वह थी फौजी की नौकरी, फौज की नौकरी में जवान का देश की सुरक्षा के लिए खड़ा रहना सबसे खतरनाक माना जाता था, फिर भी जवान अपने देश की रक्षा के लिए सरहद पर तैनात रहता था और अपने देश की सुरक्षा करता था,अब देश में पत्रकारिता भी उतने ही खतरनाक होती जा रही है जहां देश के जवान को देश के दुश्मनों से खतरा होता था वैसे ही पत्रकारिता जगत में पत्रकार को भ्रष्टाचार्यो से खतरा सताने लगा है,स्थिति प्रदेश में यह हो गई है कि जब कोई पत्रकार खबर के लिए घर से बाहर निकलता है तो व सकुशल घर पहुंचेगा भी या नहीं? इसकी चिंता उसके घर वालों को रहती है क्योंकि आज की पत्रकारिता में पत्रकार की सुरक्षा पत्रकार की खुद की जिम्मेदारी है। पत्रकार को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ सिर्फ कहा जाता है पर इसके लिए कोई विशेष सुरक्षा नहीं दी गई है, यह आजादी के पहले से ही ऐसा ही चला आ रहा है पत्रकार अपनी जान हथेली पर रखकर अब पत्रकारता कर रहा है, वह भी सिर्फ इसलिए कि उसका देश उसका राज्य भ्रष्टाचार की दीमक से बचा रहे, देश का माहौल शांत रहे व्यवस्था लोकहित में हो,सरकार जनता हित में काम करें, जनप्रतिनिधि अपना दायित्व ईमानदारी से निभाएं, सिर्फ इन सब के लिए वह पत्रकारिता करता है पर ऐसे माहौल में पत्रकरिता करना अपना जीवन दाव पर लगाने जैसा ही है, क्योंकि ऐसे लोगों के लिए पत्रकारिता करके पत्रकार अपने जीवन को खतरे में ही डाल रहा है। एक पत्रकार अपने कर्तव्यों के दौरान यदि अपनी जान गवा भी देता है, तो उसे शाहिद का दर्जा नहीं मिलता जबकि वह काम देश व राज्य हित में करता है, उसे वह सम्मान भी नहीं मिलता जो उसे मिलना चाहिए। सुरक्षा तो दूर की चीज हो गई हैं ना अच्छी तनख्वाह है ना सुरक्षा है ना उसके परिवार की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसी के पास है, फिर भी पत्रकार अपने मौलिक अधिकारों व देश हित की भावना रख के पत्रकारिता करता है और कई तरह की समस्याओं से जूझता है और जूझता आ रहा है, पर इनका दर्द व उनकी जीवन की सुरक्षा या उनके परिवार की सुरक्षा को लेकर कोई भी बिल नहीं बन पाता, कोई भी विधेयक सदन लाया जाता है, कोई भी नियम नहीं आते अब यह पत्रकारिता जगत की विडंबना है या फिर पत्रकारिता जगत में व्यवसायीकरण इसकी वजह है? एक बार फिर बस्तर में इस बार जाबांज पत्रकार की हत्या ने सभी को जिंजुर कर रख दिया है इस बार पत्रकार की मौत ना तो पुलिस की गोली से हुई है और ना ही माओवादियों ने गला रेता है। इस बार बस्तर में भ्रष्टाचार से सराबोर ठेकेदार ने पत्रकार मुकेश चंद्राकर हत्यारे बताए जा रहे है । माओवादियों के ठिकाने से सीआरपीएफ के जवान को बचाकर लाने वाले पत्रकार साथी की हत्या सड़क निर्माण में भारी भ्रष्टाचार की पोल खुलने के कारण कर दी गई है। बस्तर संभाग के कोंटा थाने में बीते बरस चार पत्रकारों को फर्जी गांजा तस्करी केस में फसा दिया गया था। फिलहाल पत्रकार ज़मानत में हैं और हर सप्ताह थाने में उपस्थिति दर्ज कराने जाते हैं। अब बस नए साल की शुरुआत हुई और पहली ही तारीख़ को बीजापुर जिले के एनडीटीवी के पत्रकार को ठेकेदार ने मारकर अपने सैप्टिक टैंक में डाल दिया। पुलिस ने

पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या में शामिल हत्यारों पर कड़ी कार्यवाही के लिए मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

सूरजपुर,04 जनवरी 2025 (घटती-घटना)। बीजापुर के पत्रकार मुकेश चंद्राकर की बेरहमी से हुए हत्या से सूरजपुर जिले के पत्रकारों में जमकर नाराजगी व्याप्त है अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति छत्तीसगढ़ की जिला इकाई ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सूरजपुर तहसीलदार को सौपा है जिसमे बताया गया है कि प्रदेश के पत्रकार स्वतंत्र रूप से अपनी कलम नहीं चला पा रहें आये दिन छत्तीसगढ़ के किसी भी क्षेत्र में पत्रकार की कलम को रोकने का प्रयास प्रशासनिक स्तर पर एवं ठेकेदार, भू माफिया, शराब माफिया अन्य माफियाओ द्वारा हर स्तर पर किया जा रहा है जिसने अपनी कलम नहीं रोकी उसके साथ कोई न कोई घटना को अंजाम दिया जा रहा है आज पत्रकारिता सबसे बुरे दौर से गुजर रही है अभी बीजापुर में ही स्वतंत्र पत्रकारिता करने वाले युवा पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या कर दी गई उसका सिर्फ इतना कसूर था कि वो सच्चाई के साथ अपनी बातो को रखता जिसकी सजा उसे अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। मुख्यमंत्री को दिए ज्ञापन में पत्रकार साथी मुकेश चंद्राकर की हत्या में शामिल हत्यारों को जल्द से जल्द गिरफ्तारी और कड़ी कार्यवाही करते हुए उनके सम्पत्ति को भी कुर्क करके पत्रकार साथी के परिवार एक करोड़ रूपये की आर्थिक सहयोग राशि प्रदान करने के साथ ही दिवंगत पत्रकार साथी मुकेश चंद्राकार को शहीद का दर्जा देने साथ ही प्रदेश में अविलंब पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग की है । इस दौरान अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति छत्तीसगढ़ की जिला सूरजपुर के संरक्षक जिले के वरिष्ठ पत्रकार उपेन्द्र दुबे, चंचलेश श्रीवास्तव, जिलाध्यक्ष राजेश सोनी, कौशलेन्द्र यादव, सुभाष गुप्ता, अनिल साहू सहित अन्य पत्रकार मौजूद रहे।

शव निकाला है। पुलिस द्वारा किए गए पंचनामे में पत्रकार मुकेश चंद्राकर के शव पर कई जगहों पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। उनके सिर पर सात जगह नुकीले हथियार से वार के निशान पाए गए, जबकि माथे पर कुल्हाड़ी से वार के निशान मिले हैं। जांच में यह बात सामने आई है कि उनकी हत्या गला घोंटकर की गई है। ठेकेदार के भाई को पुलिस ने इस मामले में गिरफ्तार किया है, वहीं अन्य आरोपी फरार बताए जा रहे है।

कुसमी के पत्रकारों ने दी पत्रकार मुकेश चंद्राकर को श्रद्धांजलि

-संवाददाता-
कोरिया,04 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

प्रदेश में शनिवार का दिन पत्रकारिता जगत को हिला देने वाला रहा क्योंकि बस्तर के बीजापुर के युवा पत्रकार मुकेश चंद्राकर की जगहन्य हत्या की खबर जब सामने आई तो जगह जगह पत्रकारो में शोक का माहौल निर्मित हो गया, बलरामपुर जिले के कुसमी बस स्टेंड में पत्रकारों ने शोक सभा का आयोजन कर दिवंगत पत्रकार मुकेश चंद्राकर को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनकी आत्मा को शांति के लिए मौन धारण किया, कुसमी थाना प्रभारी संत लाल आयाम भी शामिल हुए, गौरतलब है कि मुकेश चंद्राकर एक ऐसे पत्रकार थे जो कि अपने निर्भीक होकर अपनी खबरो को सामने लाते थे जिससे जानकारी शासन प्रशासन के साथ आम जनता को भी मिलती थी,लेकिन जो जानकारी उनकी हत्या को लेकर मिल रही है वह काफी गंभीर हैं भ्रष्टाचार की खबर उजागर करने को लेकर आरोपी ठेकदार ने बड़ी बेहरमी से उनकी हत्या करवा कर शव को छुपा दिया था,बहरहाल इस घटना ने बस्तर सरगुजा से लेकर प्रदेश भर के पत्रकार के बीच ग़म का माहौल निर्मित है,और अब यह जिम्मेदारी तो बनती हि है शासन प्रशासन पर बैठे जिम्मेदार लोगों के ऊपर की खबर को लेकर मुकेश की हत्या हुई है तो उसके आश्रित रहने वाले परिवार के लोगों की सहायता कर अपनी जिम्मेदारी निभाने की।

कोरबा पुलिस द्वारा नवीन आपराधिक कानून के प्रचार-प्रसार के संबंध में भाषण/ वाद-विवाद प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

-संवाददाता-
कोरबा,04 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

कोरबा पुलिस द्वारा दिनांक 02/01/2025 भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के बारे में प्रचार-प्रसार से संबंधित भाषण/वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन रक्षित आरक्षी केंद्र कोरबा में किया गया। पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी (भापुसे) की मंशा है कि नवीन क़ानूनो का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार हो जिससे जनमानस को ज्यादा से ज्यादा जानकारी हो जाये। इस अवसर पर रक्षित केंद्र के

सभा कक्षा में मानसिंह यादव (लीगल डिफेंस लॉयर) एवं श्रीमती नीलू त्रिवेदी (डिप्टी चीफ लीगल डिफेंस लॉयर) के द्वारा नवीन कानून के बारे में विस्तार से बताया एवं समझाया गया। कार्यक्रम मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यूबीएस चौहान व श्रीमती नेहा वर्मा, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्रीमती प्रतिभा मरकाम, रक्षित निरीक्षक अनथ राम पैकरा के साथ-साथ गवर्नमेंट पीजी कॉलेज के अध्यापक डॉक्टर दिनेश श्रीवास्तव (सहायक प्राध्यापक हिंदी), सदा कन्या स्कूल ट्रांसपोर्ट नगर के अध्यापक श्रीमती इंदू चंद्रवंशी वह श्रीमती शारदा राठौर उपस्थित रहे,साथ ही साथ पुलिस लाइन के अधिकारी एवं कर्मचारियों भी इस कार्यशाला मे उपसस्थित रहे। कार्यक्रम रक्षित केंद्र कोरबा के सभागार कक्ष मे आयोजित किया गया जहाँ छात्र एवं छात्राओं के द्वारा भाषण वाद-विवाद प्रतियोगिता मे भाग लिया गया, जिसमें गवर्नमेंट पीजी कॉलेज के चार छात्र-छात्राओं ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया,साडा कन्या स्कूल ट्रांसपोर्ट नगर के दो छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया एवं रक्षित केंद्र कॉलोनी कोरबा में रहने वाले तीन बच्चों ने इस वाद विवाद पर प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पूरे कार्यक्रम में साडा कन्या स्कूल ट्रांसपोर्ट नगर के 25 छात्र-छात्राओं उपस्थित रहे, गवर्नमेंट पीजी कॉलेज के 04 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे एवं रक्षित केंद्र कॉलोनी में रहने वाले 09 बच्चों ने भी इस कार्यशाला में उपस्थित रहकर नवीन कानून के बारे में जानकारी प्राप्त किया। ज्ञात हो कि 1 जुलाई से नये क़ानून लागू हो चुके हैं इसलिए इसके बारे में व्यापक प्रचार प्रसार करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। लागू हुए नए कानून देश की न्याय व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ और पारदर्शी बनाएंगे। भारतीय न्याय संहिता का उद्देश्य आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार करना है, जबकि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने के साथ-साथ सुरक्षा उपायों को भी सुनिश्चित करती है। भारतीय साक्ष्य अधिनियम न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने वाले साक्ष्यों की मान्यता और प्रामाणिकता से संबंधित है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बलरामपुर जिला बलरामपुर (छ.ग.)

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा एकल प्रणाली के तहत श्रेणी 'डी' एवं उपर के पंजीकृत ठेकेठारों से प्रपत्र 'ए' में डाक/स्पीडपोस्ट/रजिस्टर्ड पोस्ट द्वारा आमंत्रित की जाती है तथा नियत तिथि को उपस्थित निविदाकारों या उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोले जावेंगे।

समय सारणी :-

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन देने की अंतिम तिथि - 07/01/2025 (अपरान्ह 05:30 बजे तक)
2. कोरे निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि - 08/01/2025 (अपरान्ह 05:30 बजे तक)
3. निविदा रजिस्टर्ड/स्पीड पोस्ट डाक से प्राप्त करने की अंतिम तिथि 09/01/2025 (अपरान्ह 03:00 बजे तक)
4. निविदायें खोलने की तिथि/समय - 10/01/2025 (पूर्वान्ह 11:30 बजे तक)

निविदा सूचना क्र0 32 दिनांक 27/12/2024 निविदा प्रपत्र का मूल्य 750/-है।

स. क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत लागत (रू0 लाख)	अमानत राशि रू0
1	Wall Paniting/writing work at Tatapani mahotsav - 2025	3.15	4000.00
2	Multi colour poster & Pamplet for Tatapani mahotsav - 2025	3.05	4000.00

निविदा की सामान्य शर्तें धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालीन अवधि में कार्यालय से निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि तक प्राप्त की जा सकती है।

जी0नं0 -242505029/1

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
खण्ड बलरामपुर (छ0ग0)

न्यायालय नायब तहसीलदार रा.नि.मं अम्बिकापुर 3 के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202412022900014

विषयः-अ-6अ मामले की श्रेणीः-राजस्व सन्ः-2023-24

मायापुर प.ह.नं.00014
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-सुशीला,
अनावेदक पक्षकार-

ईश्तहार

आवेदिका सुशीला आ0 शंकर ईश्वर चन्द निवासी ग्राम घुटरापारा, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा सम्मिलात खाते की ग्राम मायापुर स्थित भूमि ख0नं0 1/5 (0.3080 हे0), 368/4 (0.1070 हे0) भूमि पर त्रुटिवश आवेदिका का घरेलु नाम देवमनी अंकित हो जाने पर आवेदिका के नाम में त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु त्रुटि सुधार आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09/01/2025 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावाआपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 09/12/2024 को जारी किया जाता हैं।

सील
निखिल श्रीवास्तव
नायब तहसीलदार
अंबिकापुर -03

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202412020700218

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणीः-राजस्व सन्ः-2024-25

बिशुनपुर प.ह.नं.000 19)
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-सुरेन्द्र कुमार सिंह,
अनावेदक पक्षकार-छ0ग0 शासन,

ईश्तहार

आवेदक सुरेन्द्र कुमार सिंह आ0 स्व0 भण्डारी उर्फ भानू राम व अन्य निवासी ग्राम केशवपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वाराग्राम विशुनपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 146/9 रकबा 0.224 हे0 भूमि के द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 24/01/2025 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावाआपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 26/12/2024 को जारी किया जाता हैं।

सील
तहसीलदार
अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0..... /अ- 20(3) /2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक लव सोनी आ0 स्व0 सुबेदार सोनी उम्र लगभग 52 वर्ष जाति सोनार निवासी ग्राम कल्याणपुर, जिला-सूरजपुर के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला सत्तीपारा नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर - 09 स्थित प्लाट नम्बर 3354/10 रकबा 2,1/2 डिसमिल भूमि को अनावेदिका श्रीमती मनोरमा सोनी पत्नी मनोज सोनी उम्र लगभग 52 वर्ष जाति सोनार निवासी मोहल्ला सत्तीपारा कैलास मोड़ अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के पास विक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा,शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 20/01/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 31/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील
नजूल अधिकारी
,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202412020700270

विषयः-अ-6अ मामले की श्रेणीः-राजस्व सन्ः-2023-24

अम्बिकापुर प.ह.नं.00016)
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-इन्द्र कुमार कश्यप,
अनावेदक पक्षकार-छ0ग0 शासन,

ईश्तहार

आवेदक इन्द्र कुमार कश्यप आ0 स्व0 रघुनाथ प्रसाद कश्यप, जाति कहांर, निवासी शास्त्री वार्ड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम फुन्दरडिहारी स्थित खसरा नंबर 40/102 रकबा 0.018 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में आवेदक की जाति त्रुटिवश कलार अंकित हो गया है जबकि आवेदक की जाति कहांर है। आवेदक द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 24/01/2025 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावाआपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 31/12/2024 को जारी किया जाता हैं।

सील
तहसीलदार
अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202412020700270

विषयः-अ-ब 121 मामले की श्रेणीः-राजस्व सन्ः-2024-25

अम्बिकापुर प.ह.नं.00030(हे0)
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक देवलाल,
अनावेदक पक्षकार-मदनेश्वर,

ईश्तहार

आवेदक देवलाल आ0 चौधरी व अन्य, निवासी ग्राम रनपुरकला, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि ग्राम कृष्णापुर स्थित खसरा नंबर 560 रकबा 0.162 हे0 भूमि का त्रुटिवश बंटा नंबर होकर खसरा नंबर 560/1 रकबा 0.081 हे0 भूमि अनावेदक क्रमांक 1 के नाम से तथा खसरा नंबर 560/2 रकबा 0.081 हे0 भूमि शेष अनावेदकगण के नाम से दर्ज हो गया है। आवेदकगण के द्वारा आवेदित भूमि से अनावेदकगण का नाम विलोपित कर खसरा नंबर 560 रकबा 0.162 हे0 भूमि पर आवेदकगण का नाम दर्ज कर त्रुटि सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जाँच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 24/01/2025 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावाआपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 31/12/2024 को जारी किया जाता हैं।

सील
तहसीलदार
अंबिकापुर

C M Y K

कोरिया जिले में कल हो सकती है भाजपा के नए अध्यक्ष की घोषणा

सात नेताओं ने की थी दावेदारी,तीन नेताओं का नाम पैनल में था शामिल,पहली बार दिल्ली से लगी नाम पर अंतिम मोहर, देवेन्द्र तिवारी की संभावना ज्यादा,रेवा यादव भी हैं कतार में...

जिला उपाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी

पूर्व प्रतिनिधी रेवा यादव

जिला महामंत्री पंकज गुप्ता

जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण राजवाड़े

जिला उपाध्यक्ष शैलैष शिवहरे

जिला महामंत्री विनोद साहू

जिला उपाध्यक्ष कमलेश यादव

-संवाददाता-
कोरिया,04 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी के संगठन महापर्व के तहत कोरिया जिले को नया जिलाध्यक्ष कल यानि सोमवार को मिलेगा, पिछले माह भर से चल रहे उठापटक के बीच नए जिलाध्यक्ष के नाम पर अंतिम मुहर पहली बार दिल्ली में लगाई गई है, प्रदेश में भाजपा की सरकार होने के कारण इस बार पार्टी के जिलाध्यक्ष को लेकर हर वर्ग में उत्सुकता देखी जा रही है। कोरिया जिले में जिलाध्यक्ष बनने को लेकर पिछले दिनो आयोजित बैठक में सात नेताओं ने दावेदारी की थी,जिसके बाद तीन नाम का पैनल प्रदेश नेतृत्व द्वारा केन्द्रीय नेतृत्व को भेजा गया था। जिलाध्यक्ष के नाम का फैसला तो कल होगा ही लेकिन इसके पहले कयासों का दौर लगातार जारी है,ज्यादा संभावना है कि पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं वर्तमान भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी के नाम पर ही अंतिम मुहर संगठन ने लगाई है, हलांकि विधायक भैयालाल राजवाड़े ने अपने पूर्व प्रतिनिधी रेवा यादव के लिए भी काफी प्रयास किया है। कल भाजपा जिला कार्यालय में चुनाव अधिकारी विधायक प्रबोध मिंज की मौजूदगी में नाम का लिफाफा खोला जाएगा और बाकी औपचाकिता पूरी की जाएगी।

सात नेताओं ने की थी दावेदारी,तीन नेताओं का नाम पैनल में

सात नेताओं ने की थी दावेदारी, उम्र सीमा के कारण कई नेताओं की टूटी उम्मीद

संगठन महापर्व के तहत भारतीय जनता पार्टी ने इस बार अच्छी खासी तैयारी की है, बूथ अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष और इसके बाद अंतिम में राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा। राष्ट्रीय नेतृत्व ने इस बार नया फार्मूला लागू करते हुए उम्र का बंधन भी कर दिया है। जिसके तहत 45 वर्ष आयु तक के कार्यकर्ता को मंडल अध्यक्ष की श्रेणी में रखा गया था, 45 से 60 वर्ष आयु तक के नेताओं को जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी जा रही है। इसी कड़ी में पिछले दिनों जिला भाजपा कार्यालय में बैठक रखी गई थी जिसमे जिला चुनाव अधिकारी विधायक प्रबोध मिंज के सामने सात नेताओं ने जिलाध्यक्ष बनने के लिए दावेदारी प्रस्तुत की थी,इनमें लक्ष्मण राजवाड़े,शैलैष शिवहरे,देवेन्द्र तिवारी, पंकज गुप्ता, रेवा यादव,कमलेश यादव और विनोद साहू शामिल थे बाद में चुनाव अधिकारी ने पात्र नेताओं ने वन टू वन चर्चा कर उनकी पसंद पूछा था,और उस रिपोर्ट को प्रदेष नेतृत्व को सौंप दिया गया था। बाद में प्रदेश नेतृत्व के द्वारा तीन नाम का पैनल बनाकर दिल्ली भेजा गया था और इस संबंध में दिल्ली में भी बैठक रखी गई थी जिसमें प्रदेष के प्रमुख नेता शामिल हुए थे। जिलाध्यक्ष हेतु उम्र सीमा 60 वर्ष किए जाने के कारण कई नेता जो इस पद का ख्वाब देख रहे थे उन्हे जोरदार झटका लगा था।

दिल्ली से आया नाम का बंद लिफाफा

भाजपा सूत्रो का कहना है कि प्रदेश के सभी जिलों में नया जिलाध्यक्ष बनाया जा रहा है इसके लिए दिल्ली में नाम पर अंतिम मुहर लगने के बाद राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शिवप्रकाश शुक्रवार को बंद लिफाफा लेकर राजधानी रायपुर पहुंचे जहां कोर कमेटी की बैठक लेकर जिलों में बैठक की तिथि निर्धारित की गई है। सूत्रो का कहना है कि कोरिया जिले में कल 6 जनवरी सोमवार को बैठक रखी गई है जिसमें बंद लिफाफा लेकर चुनाव अधिकारी प्रबोध मिंज पहुंचेंगे और सभी के समक्ष लिफाफा खोलकर नाम का ऐलान किया जाएगा जिसके बाद निर्धारित प्रकिया का पालन कर नामांकन आदि की कार्यवाही होगी।

देवेन्द्र की संभावना ज्यादा, रेवा भी रेस में

प्रदेश संगठन द्वारा केन्द्रीय नेतृत्व को तीन नाम का पैनल भेजा गया था,जैसा की सूत्रों का कहना है। इन तीन नाम में से एक नाम पर अंतिम मुहर लगाकर लिफाफा भेजा गया है। संभावना व्यक्त की जा रही है कि जिला उपाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी को भाजपा का नया जिलाध्यक्ष बनाया जा सकता है,क्योंकि वे लंबे समय से संगठन कार्य के अनुभवी है,प्रदेश स्तरीय संगठन नेताओं से मधुर संबंध होने का फायदा भी उन्हे मिल सकता है। सूत्रों का दावा है कि पिछले दिनो जब जिला भाजपा कार्यालय में बैठक कर रायशुमारी की जा रही थी उस दौरान भी ज्यादा संख्या में पदाधिकारियो ने देवेन्द्र तिवारी को अध्यक्ष बनाने की वकालत की थी। जिसके बाद अन्य नेताओं की दावेदार भी हल्की हो गई थी। पिछले सप्ताह भर से इसे लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है कि आखिर भाजपा का जिलाध्यक्ष कौन बन रहा है, संभावनाओ और चर्चा पर यदि गौर किया जाए तो यह प्रतीत होता है कि जिला उपाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी अन्य नेताओं पर काफी भारी हैं, और संभावना है कि उनके नाम पर ही अंतिम मुहर संगठन ने लगाई है इसका खुलासा कल सोमवार को जाएगा वही विधायक भैयालाल राजवाड़े ने भी अपने पूर्व प्रतिनिधी रेवा यादव को जिलाध्यक्ष बनाने के लिए काफी मेहनत किया है। जिला महामंत्री पंकज गुप्ता भी लंबे समय से पार्टी संगठन का काम कर रहे हैं लेकिन उनके नाम पर मुहर लगी है इसकी संभावना काफी कम है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि इस बार देवेन्द्र तिवारी को भाजपा जिलाध्यक्ष बनाया जा सकता है इसके लिए एक दिन का इंतजार और करना होगा।

155 नग नशीली इंजेक्शन के साथ एक महिला को थाना सूरजपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर,04 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के सख्त निर्देश पर थाना-चौकी की पुलिस के द्वारा लगातार अवैध कारोबार व सूखा नशा के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। शुक्रवार को थाना सूरजपुर पुलिस ने एक महिला से 155 नग नशीली इंजेक्शन जप्त कर उसके विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट की कार्यवाही कर गिरफ्तार किया है।

दिनांक 03.01.2025 को थाना सूरजपुर पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम देवनगर की गोसिया फातिमा नशीली दवाई बिक्री हेतु रखी है। थाना सूरजपुर पुलिस सूचना की तस्दीक व कार्यवाही हेतु मौके पर पहुंची जहां गोसिया फातिमा पिता अब्दुल रहमान उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम देवनगर के कब्जे से 145 नग नशीली इंजेक्शन व 10 नग एविल इंजेक्शन वायल कुल 155 नग इंजेक्शन जप्त किया गया जिसकी बाजारू कीमत करीब 80 हजार रूपये है। मामले में नशीली इंजेक्शन जप्त कर धारा 21(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपियां को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी सूरजपुर विमलेश दुबे,एएसआई विवेकानंद सिंह, बबीता यादव, प्रधान आरक्षक पुष्पा पैंकरा, आरक्षक रविराज पाण्डेय, रामकुमार नायक, महिला आरक्षक चिंता पैंकरा, रौशनी सिंह व तारावती सिंह सक्रिय रहे।

उधनापुर बांध के नहर लाइनिंग निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार

करोड़ों की लागत से घटिया गुणवत्ता विहीन निर्माण कार्य

-संवाददाता-
खड़गवां,04 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

उधनापुर में नहर लाइनिंग निर्माण कार्य लगभग तीन करोड़ पचास लाख की लागत से कार्य किया जा रहा है इस नहर लाइनिंग कार्य में कई तकनीकी पहलुओं को नजर अंदाज किया जा रहा है आलम यह है कि कार्य गुणवत्ता विहीन और प्रशासनिक मापदंडों का पालन न करते हुए नहर लाइनिंग का कार्य धड़ले से कराया जा रहा है ।

उधनापुर बांध से निकल रही नहर लाइनिंग का कार्य में काफी घटिया और गुणवत्ता विहीन और सामाग्री के माप और मानक पर निर्माण कार्य नहीं किया जा रहा है इस निर्माण कार्य में उपयोग होने वाली सामग्री सीमेंट छड़ बिना ब्रांडेड का उपयोग धड़ल्ले से किया जा रहा है और नहर लाइनिंग निर्माण कार्य में जिस मापदंडों और मानक के तहत कार्य किया जाना है वो नहीं किया जा रहा है निर्माण कार्य में ओवर साइज़ कि गिट्टी का जैसे 30 एम एम गिट्टी का उपयोग कर नहर लाइनिंग का कार्य किया जा रहा है।

निर्माण स्थल पर निर्माण से संबंधित किसी प्रकार का कोई सूचना पटल या बोर्ड नहीं लगाया गया है जिससे निर्माण से संबंधित ग्रामीणों कोई जानकारी प्राप्त हो रही है कि इस निर्माण कार्य की क्या लागत निर्माण कार्य कि दूरी मजदूरी दर निर्माण कार्य की समय अवधि आदि अंकित हो मगर इस निर्माण कार्य में किसी प्रकार का कोई बोर्ड नहीं होने की जानकारी जलसंसाधन विभाग के निर्माण स्थल पर उपस्थित इंजिनियर से चाही तो उन्होंने ने कहा कि सूचना पटल निर्माण कार्य के बाद लगाया जाता है। इंजिनियर के निर्माण स्थल पर उपस्थित रहते हुए नहर लाइनिंग निर्माण कार्य में बांधे जा रहे छड़ की दूरी 50 सेंटीमीटर (20 इंच) की दूरी में धड़ल्ले से बांधा जा रहा था जबकि नहर लाइनिंग निर्माण कार्य में छड़ बधाई की दूरी महज एक फुट (12 इंच) बंधाई किया जाना विभाग के इस्टीमेट

और नियम में है मगर स्थल पर उपस्थित इंजिनियर के सामने ठेकेदार के द्वारा धड़ल्ले विभागीय नियम और मापदंडों को दरकिनार कर 30 एम एम की गिट्टी से बेझिझक निर्माण कार्य को किया जा रहा है।स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि नहर लाइनिंग निर्माण कार्य में उपयोग की जा रही निर्माण सामग्री गुणवत्ता युक्त नहीं है जबकि इससे पूर्व में भी नहर लाइनिंग कार्य किया गया था जो गुणवत्ता पूर्ण नहीं होने के कारण उसे उखाड़ कर पुनः नव निर्माण कार्य किया जा रहा है जिसकी लागत करोड़ो रुपए होने के बाद भी गुणवत्ता विहीन कार्य कराया जा रहा है। इसकी जांच कर गुणवत्ता युक्त जांच की मांग की है। इस संबंध में जलसंसाधन विभाग के एस डी ओ से जानकारी चाही तो उन्होंने ने कहा कि मैं बाहर आया हूं आने के बाद आकर निरीक्षण कर कुछ बता पाऊंगा।

राजगमार पुलिस ने महज 24 घंटे के अंदर कत्ल की गुत्थी को सुलझाया

-संवाददाता-
कोरबा,04 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

जिले के रजगामार थाना क्षेत्र मे दिनांक 03.01.2025 को प्रार्थी नारद राठिया पिता स्व0 रतउ राठिया उम्र 65 साल साकिन ढेंगुरडीह चौकी रजगामार आकर मर्ग तथा अपराध रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 03.01.2025 के शाम को मुढूनारा निवासी झूल सिंह उर्फ भैरा अगरिया हमारे घर आया था साथ अपने हाथ में टंगिया रखा हुआ था एवं बेटा रामकुमार राठिया को घर से बुलाकर ले गया । जो उसे बस स्टैण्ड के पास यात्री प्रतीक्षालय के पीछे शराब पीने के लिये राम कुमार से पैसा मांगने की बात पर विवाद करते हुये, झूल सिंह उर्फ भैरा अगरिया के द्वारा टंगिया से रामकुमार के गले पर वार करके हत्या कर दिया और वहां से भाग गया था। रामकुमार राठिया का शव लहूलुहान हालत में बस स्टैण्ड यात्री प्रतीक्षालय के पीछे पड़ा हुआ था,कि प्राथी कि रिपोर्ट पर चौकी रजगामार में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त मामले पर संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी द्वारा हत्या के संबंध में आरोपी को पकड़ने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए तथा मामले को सुलझाने हेतु मार्गदर्शन दिया गया। दिए गए निर्देश के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यूपीएस चौहान एवं नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा भूषण एक्का के मार्गदर्शन पर चौकी प्रभारी राजगामार के द्वारा अपने मातहत कर्मचारियों के साथ उक्त मामले की विवेचना में आरोपी का पता तलाश करने पर आरोपी झूल सिंह अगरिया उर्फ भैरा अगरिया को छुईढोड़ा अस्पताल के आसपास मिला,जिसे हिरासत में लेकर चौकी रजगामार लेकर आये,जिसे घटना के संबंध में पूछताछ पर अपराध स्वीकार करने पर मौके पर उपस्थित गवाहों के समक्ष आरोपी का मेमोरेण्डम कथन लिया गया जो मेमोरेण्डम कथन के आधार पर घटना में प्रयुक्त टंगिया को जप्त किया गया है और आरोपी झूल सिंह उर्फ भैरा अगरिया पिता सुकूल सिंह अगरिया उम्र 45 साल साकिन मुढूनारा चौकी रजगामार जिला कोरबा छ0ग0 को अप. क-20/2025 धारा- 103 बीएनएस अंतर्गत विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया । उपरोक्त कार्यवाही में उप निरीक्षक लक्ष्मण खुटे, प्र. आर. गुरुवार सिंह, विनोद कुमार सिंह, कैरोबिन बड़ा, आर. अजय महिलांगे, राजू लहरे, करण सिंह की अहम् भूमिका रही।

दंतैल हाथी का उत्पात जारी

केदलीपारा बगड़ा में एक भैंस व एक भैंसा को पटककर मार डाला व पड़िया को घायल कर दिया

-संवाददाता-
प्रतापपुर,04 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

जिले के वन परिक्षेत्र प्रतापपुर अंतर्गत सोनगरा , बोझा , चंद्रपुर कोथारी व खड़गवां में नुकसान करने के बाद आज छठवें दिन शुक्रवार की रात में दन्तैल हाथी केंदली पारा बगड़ा के निवासी श्यामलाल पैंकरा आत्मज जेठू के एक भैंस व एक भैंसा को पटककर मार डाला व पड़िया को घायल कर दिया है. शुक्रवार की रात्रि जब ग्रामीण जान बगड़ा में सो रहे थे. तभी यह घटना घटित हुई. घटना के दूसरे दिन 11:00 बजे वनरक्षक अमरनाथ रवि सर्वे करने आए व खाना पूर्ति कर चले गए ।

हाथी दल मौके पर नहीं पहुंचा. हाथी गश्ती वाहन भी नहीं पहुंचा था जिससे उन्हें पता नहीं चल पाया की हाथी इधर है और दुर्घटना हो गया. वन विभाग द्वारा ग्रामीणों को टॉर्च भी उपलब्ध नहीं कराया जा रहा.
श्यामलाल कंवर
मृतक मवेशी का मालिक

ग्रामीणों का आरोप

ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग द्वारा हम लोगों का कोई सहायता नहीं किया जा रहा बल्कि एक वाहन हाथी मित्र दल को दे दिया गया है जो की सही ढंग से हाथी का लोकेशन तक नहीं बता पाते बल्कि उल्टा ग्रामीणों से फोन पर पता करते हैं कि हाथी किधर है। ऐसे लापरवाही से बगड़ा के ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। समाचार लिखे जाने तक दन्तैल भरदा में अपने साथियों के साथ में है. लगातार हो रहे हमले से ग्रामीण रात में सोने से डर रहे हैं . हाथी के हमलो से जहां ग्रामीणों का जीवन संकट में है साथ ही उनके मवेशी और संपत्ति भी खतरे में है।

स्टीव स्मिथ ने घरेलू सरजमीं पर पूरे किए 5,000 रन

सिडनी,04 जनवरी 2025। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम और भारतीय क्रिकेट टीम के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 का आखिरी मुकाबला सिडनी में खेला जा रहा है। मैच में कंगारू टीम की पहली पारी सिर्फ 181 रन पर खत्म हो गई।

इस दौरान दिग्गज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने घरेलू सरजमीं पर 5,000 रन पूरे कर लिए।

उन्होंने 22 रन बनाते ही यह उपलब्धि हासिल की। वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले कंगारू टीम के छठे बल्लेबाज बने हैं।ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा रन रिकी पोंटिंग ने बनाए हैं। वह 92 टेस्ट की 154 पारियों में 56.97 की औसत से 7,578 रन बनाने में सफल रहे हैं।एलन बॉर्डर 5,743 रनों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। स्टीव वॉ ने ऑस्ट्रेलिया में 5,710 रन बनाए हैं। डेविड वार्नर के बल्ले से 5,438 रन और मैथ्यू हेडन के बल्ले से 5,210 रन निकले हैं। इन खिलाड़ियों में सिर्फ स्मिथ ऐसे बल्लेबाज हैं, जिनका औसत 60 से ज्यादा का रहा है।

जायसवाल ने कर दिखाया बड़ा कारनामा

» भारतीय टेस्ट इतिहास में पहली बार बना महा कीर्तिमान

सिडनी,04 जनवरी 2025। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेले जा रहे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के आखिरी और 5वें टेस्ट में दोनों ही टीमों की पहली पारी 2 दिनों के भीतर समाप्त हो गई। पहले दिन जहां टीम इंडिया 185 रनों पर ढेर हो गई तो वहीं, ऑस्ट्रेलिया की टीम टी ब्रेक से ठीक पहले 181 रनों पर सिमट गई। इस तरह टीम इंडिया पहली पारी के आधार पर चार रन की बढ़त हासिल करने में सफल रही। हालांकि टीम इंडिया को दूसरे दिन पहले सेशन के बाद उस समय बड़ा झटका लगा जब भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह लंच के बाद सिर्फ एक ओवर फेंकने के बाद मैदान से बाहर चले गए। वह करीब आधा घंटा मैदान के बाहर रहे और फिर वह स्कैन के लिए गाड़ी में बैठकर स्टेडियम के बाहर जाते नजर आए। बुमराह के बाहर होने के बाद

विराट कोहली ने कप्तानी का जिम्मा संभाला और ऑस्ट्रेलिया को 181 रन पर समेटने में अहम भूमिका अदा की। सिराज और कृष्णा ने 3-3 विकेट अपने नाम किए।

जायसवाल का धुआंधार आगाज

ऑस्ट्रेलिया को 181 रनों पर समेटने के बाद यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की सलामी जोड़ी दूसरी पारी का आगाज करने मैदान में उतरी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टार्क पहला ओवर फेंकने आए जिसमें यशस्वी जायसवाल ने चौकों की झड़ी लगा दी। पहली गेंद डॉट खेलने के बाद जायसवाल ने दूसरी गेंद पर चौके से अपना खाता खोला और फिर तीसरी और चौथी गेंद पर भी चौका जड़ दिया। 5वीं गेंद पर कोई रन नहीं आया लेकिन जायसवाल चौके से ओवर का समापन करने में कामयाब रहे। इस तरह जायसवाल ने पारी के पहले ही ओवर में 4 चौकों की मदद से 16 रन बटोरने के साथ ही इतिहास रच दिया।टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सिर्फ चौथी बार ऐसा हुआ जब एक पारी के पहले ही ओवर में किसी बल्लेबाज ने 16 रन बनाने का बड़ा कारनामा किया। यही नहीं, भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली बार ऐसा देखने को मिला। इससे पहले माइकल स्लेटर, क्रिस गेल और ओशादा फर्नांडो ने टेस्ट में एक पारी के पहले ओवर में 16 रन बनाने का कमाल किया था।

टेस्ट में पारी के पहले ओवर में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

16 रन - यशस्वी जायसवाल बनाम ऑस्ट्रेलिया, सिडनी, 2025
16 रन - माइकल स्लेटर बनाम इंग्लैंड, ब्रिमिंघम, 2001
16 रन - क्रिस गेल बनाम न्यूजीलैंड, एंटीगुआ, 2012
16 रन - ओशादा फर्नांडो बनाम बांग्लादेश, मीरपुर, 2022

टेस्ट में पारी के पहले ओवर में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज
16 रन - यशस्वी जायसवाल बनाम ऑस्ट्रेलिया, सिडनी, 2025
13 रन - रोहित शर्मा बनाम ऑस्ट्रेलिया, नागपुर, 2023
13 रन - वीरेंद्र सहवाग बनाम पाकिस्तान, कोलकाता, 2005

दिल्ली का खेल खत्म,फाइनल में हरियाणा स्टीलर्स से भिड़ेंगे पटना पाइरेट्स

नई दिल्ली,04 जनवरी 2025। रोमांच से भरे दूसरे सेमीफाइनल में तीन बार के चैंपियन पटना पाइरेट्स ने दबंग दिल्ली केसी को हराते हुए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के फाइनल में जगह बना ली है। शुक्रवार को इस मुकाबले में पटना ने दिल्ली को 32-28 से हराया। अब 29 दिसंबर को फाइनल में उसका सामना हरियाणा स्टीलर्स से होगा, जिसने सेमीफाइनल-1 में यूपी योद्धाज को हराया। चौथे खिताब के लिए बेकरार पटना की टीम ने शुरुआती 10 मिनट में 8-3 की लीड बना ली थी। देवांक और अयान लगातार अंक ले रहे थे और डिफेंस भी खुलकर खेल रहा था। दूसरी ओर, दिल्ली के रेडर्स और डिफेंडर संघर्ष करते दिख रहे थे। एक समय दिल्ली ने स्कोर 3-4 कर दिया था, लेकिन इसके बाद पटना ने लीड दोगुना से अधिक करते हुए दिल्ली के लिए सुपर टैकल आन कर दिया।

ब्रेक के बाद पटना का दबदबा

ब्रेक के बाद पटना ने दिल्ली को ऑलआउट की ओर धकेला। मोहित ने सुपर रेड के साथ न सिर्फ उसे बचा लिया। स्कोर भी 6-9 कर दिया। इस बीच अयान ने गौरव का और देवांक ने आशीष का शिकार कर दिल्ली को आलआउट सिचुएशन में ला दिया। फिर डिफेंस ने आशू को लपक पहले आलआउट के साथ 14-8 की लीड ले ली।

आशू नहीं कर सके कमाल

28 मिनट के खेल में आशू 15 मिनट बाहर रहे। मोहित ने मल्टीप्वाइंटर के साथ उन्हें रिवाइव करा लिया। देवांक ने मल्टीप्वाइंटर के साथ इसका जवाब दिया। इसके बाद आशू ने भी मल्टीप्वाइंटर ले स्कोर 18-22 कर दिया। पटना आलआउट की कगार पर थे और इसे अंजाम देकर दिल्ली ने स्कोर 22-23 कर दिया।

हरियाणा से होगी फाइनल जंग

मोहित ने अंतिम मिनट में दीपक को आउट कर फासला 1 का कर दिया। अगली रेड पर नवीन आए और अंकित द्वारा लपक लिए गए। अब मैच पटना की गिरफ्त में था, जिस पर अयान ने अगली रेड पर दो अंक लेकर मुहर लगा दी। अब पटना अपने चौथे खिताब के लिए लगातार दूसरा फाइनल खेलने जा रहे हरियाणा की चुनौती ध्वस्त करना चाहेगी।

ऋषभ पंत ने जड़ा भारत के लिए दूसरा सबसे तेज अर्धशतक

सिडनी,04 जनवरी 2025। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के खिलाफ सिडनी में जारी दूसरे टेस्ट में भारत की दूसरी पारी में धमाकेदार अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक (61) जड़ा।

यह उनके टेस्ट करियर का 15वां और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरा अर्धशतक रहा, जिसे उन्होंने केवल 29 गेंदों में पूरा किया।इसके साथ ही वह भारत के लिए दूसरा सबसे तेज अर्धशतक जडने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं।पंत 59 रन पर तीसरा विकेट गिरने के बाद बल्लेबाजी करने आए। उन्होंने रविंद्र जडेजा के साथ 5वें विकेट के लिए 46 रन की ताबड़ोड़ साझेदारी निभाई। वह अपनी पारी में 33 गेंदों में 6 चौके और 4 छक्कों की मदद से 61 रन बनाकर पैट कमिंस का शिकार बने।

भारत का कप्तान बनना आसान नहीं, युवाओं को करनी होगी कड़ी मेहनत:रोहित शर्मा

सिडनी,04 जनवरी 2025। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सिडनी में खेले जा रहे पांचवें टेस्ट मैच में कप्तान रोहित शर्मा को आराम दिया गया है। उनकी जगह इस टेस्ट मैच में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह कप्तानी कर रहे हैं। इसी बीच रोहित शर्मा ने कहा कि भारतीय टीम का नेतृत्व करने के लिए टीम में शामिल नए खिलाड़ियों को कड़ी मेहनत करनी होगी।

रोहित शर्मा बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं। उनकी बल्लेबाजी में वह धार नहीं दिखाई दे रही है जैसी उनसे अपेक्षा की जाती है। सीरीज में रोहित शर्मा की बल्लेबाजी पर सवाल भी उठ रहे हैं। इस बीच अंतिम टेस्ट मैच में रोहित शर्मा को आराम दिया गया है। रोहित ने लंच ब्रेक के दौरान ब्रॉडकास्टर स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत में एक सवाल के जवाब में कहा, यह कहना बहुत मुश्किल है। बहुत से लड़के हैं, लेकिन मैं चाहता हूं कि वे पहले क्रिकेट के महत्व को समझें और इस जगह के महत्व को भी समझें। वे नए लड़के हैं, और मुझे पता है कि उन्हें जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। लेकिन उन्हें इसे कमाना होगा। जैसे, मैं अब यहां हूं। बुमराह यहां हैं। विराट (कोहली) उनसे पहले यहां थे। एमएस धोनी उनसे पहले यहां थे। हर किसी ने इसे कमाया है। किसी को भी यह थाली में परोस कर नहीं मिला है, और किसी को भी इसे ऐसे ही नहीं मिलना चाहिए। उन्हें कड़ी मेहनत करनी चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, लड़कों में बहुत प्रतिभा है। लेकिन साथ ही मैं यह भी कहना चाहता हूं कि भारत का कप्तान बनना आसान नहीं है। दबाव तो है, लेकिन यह बहुत बड़ा सम्मान है। हमारा इतिहास और जिस तरह से हम क्रिकेट खेलते हैं, उसमें दोनों के कंधों पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। इसलिए उन्हें इसे हासिल करने दें।

स्कैन के बाद वापस लौटे जसप्रीत बुमराह

सिडनी,04 जनवरी 2025। सिडनी में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांचवां और आखिरी मुकाबला खेला जा रहा है। वहीं सिडनी टेस्ट के दूसरे दिन भारत को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, जसप्रीत बुमराह फिट नहीं हैं। शनिवार को दूसरे दिन लंच के बाद उन्होंने एक ओवर किया और मैदान से बाहर चले गए थे। उन्हें स्कैन के लिए अस्पताल ले जाया गया। सिडनी टेस्ट में उनके आगे खेलने पर सस्पेंस बना हुआ है। स्कैन के बाद ही पता चलेगा कि चोट कितनी गंभीर है। हालांकि, वह कुछ समय बाद वापस लौट आए थे।

मोहम्मद सलाह की आखिरी सीजन के दौरान प्रीमियर लीग खिताब पर नजर

लंदन,04 जनवरी 2025। हाल ही में दिए गए एक साक्षात्कार में, लिवरपूल के मोहम्मद सलाह ने प्रीमियर लीग जीतने की अपनी प्रबल इच्छा को साझा किया, इसे एक व्यक्तिगत लक्ष्य बताते हुए उन्होंने संकेत दिया कि यह क्लब में उनका आखिरी साल हो सकता है।पिछले कई वर्षों से लिवरपूल की सफलता का अहम हिस्सा रहे सलाह ने कहा कि प्रीमियर लीग जीतना इस सीज़न के लिए उनकी सूची में सबसे ऊपर था, खासकर तब जब 2020 में उनके द्वारा दावा किया गया लीग खिताब कोविड-19 महामारी के कारण फीका पड़ गया था।

मिस्र के इस विंगर के लिए यह सीज़न अलग लग रहा है। स्काई स्पोर्ट्स से बातचीत के दौरान सलाह ने कहा, ÷सूची में सबसे पहली चीज़ लिवरपूल के साथ प्रीमियर लीग जीतना था।÷पिछले कुछ वर्षों में चैंपियंस लीग जीतने की इच्छा व्यक्त करने के बावजूद, यह पहली बार है जब उन्होंने सार्वजनिक रूप से लीग खिताब पर ध्यान केंद्रित किया है। सलाह ने बताया कि इस बदलाव का

कारण वैश्विक महामारी के कारण लिवरपूल के 2020 प्रीमियर लीग खिताब का जश्न मनाना है।

इसके अलावा, अपने अनुबंध के अंत के करीब होने के साथ, सलाह इस सीज़न को अपने और लिवरपूल शहर दोनों के लिए कुछ खास हासिल करने के एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखते हैं, जिसने उनकी पूरी यात्रा में उनका साथ दिया है।इस सीज़न में प्रीमियर लीग में 17 गोल और 13 असिस्ट के साथ, मैदान पर सलाह का प्रभाव निर्विवाद है। हालाँकि, लिवरपूल में अपने भविष्य के अनिश्चित होने के साथ, उन्होंने सिल्वरवेयर की तलाश में टीम के लिए अपना सब कुछ देने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, ÷मैं टीम को ट्रॉफी जीतने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा। कुछ अन्य टीमें हमसे आगे निकल रही हैं, और हमें ध्यान केंद्रित करने, विनम्र रहने और आगे बढ़ते रहने की जरूरत है। सलाह अपने अनिश्चित भविष्य में अकेले नहीं हैं। लिवरपूल अन्य प्रमुख खिलाड़ियों, जैसे ट्रेंट अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड और वर्जिल वैन डिज्क के अनुबंधों से भी निपट रहा है, जिनमें से दोनों अपने मौजूदा सौदों के अंत के करीब हैं।

लवयापा का टाइटल ट्रैक आउट

जुनैद खान-खुशी कपूर के बीच जबरदस्त दिखी केमिस्ट्री

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान के बेटे जुनैद खान अपनी आगामी फिल्म लवयापा की रिलीज के लिए तैयार है। रिलीज से पहले मेकर्स ने जुनैद खान और खुशी कपूर की फिल्म का टाइटल ट्रैक रिलीज किया है। इस गाने में सोशल मीडिया के दौर में जुनैद और खुशी के बीच की मजेदार केमिस्ट्री दिखाई गई है। नक्श अजीज और मधुबंती बागची ने इस गाने को अपनी आवाज दी है.जी म्यूजिक कंपनी ने इंस्टाग्राम पर गाने की झलक पेश की है और कैप्शन में लिखा है, बाबू शोना करते-करते हो गया दिमाग का भजियापा? खैर, यह लवयापा की शुरुआत है. लवयापा हो गया गाना रिलीज हो गया है। लवयापा इस वैलेंटाइन वीक में 7 फरवरी 2025 से सिनेमाघरों में.यह आगामी रोमांटिक कॉमेडी 7 फरवरी, 2025 को रिलीज होगी. लाल सिंह चड्ढा का निर्देशन करने वाले अद्वैत चंदन इस प्रोजेक्ट को निर्देशित करने के लिए आए हैं। फिल्म का निर्माण फैंटम स्टूडियो और एजीएस एंटरटेनमेंट ने किया है। मेकर्स के अनुसार, लवयापा प्यार और उसकी कॉम्प्लिकेशन की एक उलझी हुई कहानी है जिसमें मस्ती और मजाक दोनों है, जो एक सिनेमाई ट्रीट बनने जा रही है.जुनैद ने नेटफ्लिक्स की फिल्म महाराज से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की, जिसमें जयदीप अहलावत और शरवरी भी हैं। सिद्धार्थ पी मल्होत्रा की निर्देशित और वाईआरएफ एंटरटेनमेंट के तहत आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित यह फिल्म स्वतंत्रता-पूर्व भारत पर आधारित है, जो 1862 के महाराज मानहानि मामले के इर्द-गिर्द घूमती है।दिवंगत श्रीदेवी और निर्माता बोनी कपूर की बेटी खुशी ने भी नेटफ्लिक्स के साथ अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। उन्होंने जोया अख्तर के निर्देशन में बनी फिल्म द आर्चीज में अभिनय किया, जिसमें शाहरुख खा और गौरी खान की बेटी सुहाना और अमिताभ बच्चन के पोते अगस्त्य ने भी अपने करियर की शुरुआत की. यह फिल्म पिछले साल ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आई थी।

जान्हवी कपूर ने इंस्टाग्राम पर शेयर की बड़ी ही खूबसूरत ग्लैमरस तस्वीरें

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ शानदार तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें उनका ग्लैमरस अंदाज देखने लायक है. तस्वीरों में जान्हवी ने सिल्वर शिमरी टॉप और बेल्ट स्टाइल ग्रे स्कर्ट पहना हुआ है, जो उन्हें एक डिवा लुक दे रहा है. जान्हवी ने अपने लुक को खुले कर्ली बालों और न्यूड ग्लो मेकअप के साथ पूरा किया है। उनकी स्टाइलिंग में शार्प कॉन्टूरिंग और हाईलाइटर का परफेक्ट इस्तेमाल देखा जा सकता है, जो उनके चेहरे पर ग्लो एड करता है। इन तस्वीरों में जान्हवी ने दीवार के पास खड़े होकर स्टाइलिश पोज दिए हैं, जिससे उनकी अदाएं और भी कातिलाना लग रही हैं। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, पुश 2 स्टार्ट और इस पर फैंस से लेकर सेलेब्स तक जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। मृणाल ठाकुर ने फायर इमोजी के साथ उनकी तारीफ की, वहीं फैंस ने भी उन्हें स्ले क्वीन और स्टनिंग कहकर सराहा है। जान्हवी के इस पोस्ट को अब तक 6.5 लाख से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं, जो उनकी पॉपुलैरिटी को साबित करता है. उनकी यह ग्लैमरस तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं.।

हिमेश रेशमिया की फिल्म बैडएस रवि कुमार का मोशन पोस्टर जारी

बैडएस रवि कुमार की दुनिया में गोता लगाने के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि आपने सामने जल्द ही आ रही है एक हाई-ऑक्टेन एक्शन म्यूजिकल फिल्म, जो आपको 80 के दशक में वापस लाने का वादा करती है। फिल्म में आपको डायलॉगबाजी के साथ एक रेट्रो रैप्सोडी देखने को मिलेगी।फिल्म बैडएस रवि कुमार का जबर्दस्त रेट्रो लुक सामने आ चुका है। इस मोशन पोस्टर में फिल्म के सार को पूरी तरह से साफ कर दिया है कि सिंगर हिमेश रेशमिया अब एक रेट्रो एक्शन म्यूजिकल फिल्म में नजर आने वाले हैं।हिमेश रेशमिया को इस फिल्म के जरिए उनकी बॉलीवुड में वापसी मानी जा रही है। कभी फिरोज खान, राजीव राय और नासिर हुसैन जैसे दिग्गजों के साथ-साथ प्रसिद्ध आरडी बर्मन शैली के संगीत का जादू फिर से दिखाई देगा। फिल्म बैडएस रवि कुमार 80 के दशक की तरह की तस्वीर लेकर सामने आएगा।हाल ही में रिलीज हुए मोशन पोस्टर ने प्रशंसकों के बीच जबर्दस्त चर्चा बटोरी है, जिसमें ट्रेलर रिलीज की तारीख 5 जनवरी बताई गई है। कीथ गोम्स द्वारा निर्देशित और हिमेश रेशमिया मेलोडीज द्वारा निर्मित, बैडएस रवि कुमार 7 फरवरी 2025 को बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए होगी।बैडएस रवि कुमार के मोशन पोस्टर की रिलीज के बाद से सोशल मीडिया पर यूजर्स लगातार कमेंट कर रहे हैं और फिल्म को लेकर अपनी राय व्यक्त कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, अब मीम्स ही मीम्स मिलेगी देखना, एक और यूजर ने लिखा, सुपर एक्साइटेड हूं इसके लिए एक और यूजर ने लिखा, मैंने इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार किया है।

पत्रकार हत्या के मामले पर राजनीतिक पार्टियों में सियासत

» भाजपा ने आरोपी को बताया 'कांग्रेसी कांट्रेक्ट किलर'

» तो कांग्रेस ने कहा...

रायपुर,04 जनवरी 2025 (ए)। बीजापुर के पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के मामले ने सियासी तूल पकड़ लिया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस एक-दूसरे पर आरोप लगाकर इस घटना को लेकर तीखे बयानबाज़ी कर रहे हैं।

भाजपा ने पत्रकार हत्याकांड के मुख्य आरोपी ठेकेदार सुरेश चंद्राकर को कांग्रेस का करीबी बताते हुए निशाना साधा। भाजपा ने सोशल मीडिया पर सुरेश चंद्राकर और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज की एक फोटो साझा की। इसके साथ लिखा, कांट्रेक्टर है या कांग्रेसी कांट्रैक्ट किलर! भाजपा का आरोप है कि सुरेश चंद्राकर को कांग्रेस ने एससी मोर्चा के प्रदेश सचिव के रूप में नियुक्त किया था। पार्टी ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, कांग्रेस का हाथ अपराधियों के साथ क्यों?

भाजपा के मुताबिक, कांग्रेस इस हत्याकांड में अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रही है। पार्टी ने कांग्रेस पर अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया और कहा, ÷मोहब्बत की दुकान में अपराधी सेल्समैन बन गए हैं।

कांग्रेस का पलटवार,भाजपा पर उठाए सवाल

कांग्रेस ने इस हत्याकांड को लेकर भाजपा सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए। पार्टी ने इसे छत्तीसगढ़ में भाजपा का जंगलराज करार दिया। कांग्रेस ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, पत्रकार मुकेश चंद्राकर ने सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार का खुलासा किया था। इससे नाराज ठेकेदार ने उन्हें बुलाया और हत्या कर उनके शव को सेप्टिक टैंक में डाल दिया। भाजपा राज में कोई सुरक्षित नहीं है।

कांग्रेस ने मीडिया पर भी निशाना साधते हुए कहा, इस खबर को मीडिया नहीं दिखाएगा, क्योंकि सब कुछ 'सब चंगा सी' मोड में है। हमारी मांग है कि इस मामले में सख्त कार्रवाई हो और पीड़ित परिवार को जल्द न्याय मिले।

क्या है पत्रकार हत्याकांड का पूरा मामला?

दरअसल, 1 जनवरी 2025 को शाम 7 बजे से मुकेश चंद्राकर घर से लापता हुए थे। अगले दिन 2 जनवरी को उनके भाई युकेश चंद्राकर ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। शिकायत के बाद पुलिस लगातार मुकेश के फोन को ट्रेस कर रही थी। फोन बंद होने की वजह से अंतिम लोकेशन घर के आस-पास का ही दिखा रहा था। सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले गए, जिसमें अंतिम बार मुकेश टी-शर्ट और शॉर्ट्स में दिखे। वहीं पत्रकारों ने भी अलग-अलग जगह पता किया। लोकेशन के माध्यम से लोकेशन ट्रेस किया गया, जिसमें मुकेश का अंतिम लोकेशन बीजापुर जिला मुख्यालय के चट्टानपारा में होना पाया गया।

पत्रकार मुकेश चंद्राकर हत्या, वन मंत्री केदार कश्यप परिजनों से मिले

वन मंत्री केदार कश्यप ने शनिवार को सुबह बीजापुर में दिवंगत पत्रकार मुकेश चंद्राकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके परिजनों को ढाँढस बंधाया। उन्होंने कहा कि पत्रकार मुकेश चंद्रकारजी के नृशंस हत्या की घटना से मन व्यथित है। भारी मन से उनके परिवार जनों से मिलकर ढांढस बंधाया और अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि अर्पित किया।इस दुःखद क्षण में पूरा भाजपा परिवार मुकेश चंद्राकरजी के परिवार के साथ खड़ा है। आरोपियों को बख्शा नहीं जाएगा। इससे परे पत्रकार को श्रद्धांजलि देने मीडिया कर्मियों और आम लोगों का तांता लगा रहा।

पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या को लेकर प्रेस क्लब ऑ इंडिया ने की की निंदा

पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या की खबर से स्तब्ध प्रेस क्लब ऑफ इंडिया ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ समयबद्ध कार्रवाई की मांग की है. इसके साथ प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया से मामले का संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार से उचित कार्रवाई करने की मांग की करने को कहा है.प्रेस क्लब ऑफ इंडिया ने विज्ञप्ति के जरिए दिवंगत मुकेश चंद्राकर के परिवार के सदस्यों और मित्रों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि चंद्राकर ने बस्तर जंक्शन नामक एक लोकप्रिय यूट्यूब चैनल चलाया, इसके अलावा उन्होंने भ्रष्टाचार, आदिवासी अधिकारों और संघर्ष प्रभावित बस्तर में उग्रवादी हिंसा के मुद्दों पर विभिन्न मीडिया घरानों के लिए लेखन और रिपोर्टिंग भी की। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया ने कहा कि छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों पर हमले और उनकी हत्या कोई नई बात नहीं है, लेकिन जिस तरह से इस तरह की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है, वह अस्वीकार्य है और इस पर प्रभावी तरीके से कार्रवाई की जानी चाहिए. इसके साथ ही राज्य सरकार को पत्रकारों की सुरक्षा के लिए कानून बनाने की स्थानीय पत्रकारों की लंबे समय से चली आ रही मांग पर तुरंत गौर करना चाहिए. प्रेस क्लब ऑफ इंडिया अगले सप्ताह की शुरुआत में क्लब परिसर में शोकसभा सह विरोध सभा आयोजित करने की योजना बना रहा है, जिसमें तमाम पत्रकारों, खासकर उन पत्रकारों से जो इस क्षेत्र को कवर कर रहे हैं, उनसे खासतौर पर शामिल होने की अपील की है।

मुख्य आरोपी ठेकेदार का भाई हैदराबाद से गिरफ्तार,विदेश भागने की थी तैयारी

छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के मामले ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है। इस हत्याकांड में पुलिस ने अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें मुख्य आरोपी ठेकेदार सुरेश चंद्राकर को हैदराबाद से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, सुरेश विदेश भागने की तैयारी में था।पत्रकार मुकेश चंद्राकर बीजापुर जिले के पत्रकार थे। जिनका शव 3 जनवरी को ठेकेदार के सेप्टिक टैंक में पाया गया। परिजन 1 जनवरी से पत्रकार की तलाश में थे। बीजापुर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। मुकेश ने ठेकेदार सुरेश चंद्राकर के भ्रष्टाचार को उजागर किया था, जिससे ठेकेदार पर कार्रवाई हुई थी।इस हत्या के विरोध में संभाग के सभी पत्रकारों ने नेशनल हाईवे पर चक्का जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। पत्रकारों ने सभी आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी, मुख्य आरोपी ठेकेदार की वैध-अवैध संपत्तियों की कुर्की, ठेकेदार के सभी सरकारी टेंडरों को निरस्त करना और बैंक खातों को सीज करने की मांग की है।

पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के मामले में आरोपी गिरफ्तार,पत्रकारों का गुस्सा फूटा

पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या ने पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया है। इस जघन्य अपराध में पुलिस ने चार को गिरफ्तार किया है, और स्थानीय पत्रकार समुदाय और निवासियों ने न्याय की मांग को लेकर उग्र प्रदर्शन शुरू कर दिया है। मुकेश चंद्राकर तीन दिनों से लापता थे, जिनका शव एक सेप्टिक टैंक से बरामद हुआ। जांच में यह खुलासा हुआ कि मुख्य आरोपी रितेश चंद्राकर और एक साथी ने लोहे की रॉड से मुकेश के सिर पर हमला किया और उनकी हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को सेप्टिक टैंक में डालकर अपराध को छिपाने की कोशिश की गई। इसके अलावा यह भी सामने आया है कि ठेकेदार सुरेश चंद्राकर और उनके छोटे भाई ने अपराध के सबूत को छिपाने में मदद की, जिसके बाद उन्हें भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनमें रितेश चंद्राकर, उनका साथी, ठेकेदार सुरेश चंद्राकर और उनका भाई शामिल हैं।

रायपुर में पत्रकारों ने विरोध प्रदर्शन किया,राजभवन पहुंचे तो रोका गया

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में पत्रकार की हत्या कर दी गई। रिपोर्टर मुकेश चंद्राकर की लाश रिश्तेदार के बैडमिंटन कोर्ट कैंपस में बने सेप्टिक टैंक में मिली है। लाश क छिपाने के बाद टैंक को 4 इंच कंक्रीट से ढलाई कर पैक कर दिया गया था। शनिवार को मुकेश चंद्राकर का अंतिम संस्कार किया गया। जांच में पता चला कि, मुकेश चंद्राकर का पहले गला घोंटा गया। बाद में सिर पर कुल्हाड़ी मारी। इस हमले से मुकेश के सिर पर ढाई इंच गड्ढा हो गया। पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। रिश्तेदार सुरेश चंद्राकर के ठिकाने पर बुलडोजर भी चलाया गया है। बीजापुर में हुई इस हत्या के बाद पत्रकारों में आक्रोश है। उन्होंने बीजापुर नेशनल हाइवे-63 पर 4 घंटे तक चक्काजाम किया। वहीं, रायपुर में भी धरना प्रदर्शन किया गया। पत्रकारों ने आरोपियों को फांसी देने की मांग की है। रायपुर पुलिस क्लब में भी नम आंखों से मुकेश चंद्राकर को श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर पत्रकारों और पुलिस के जवानों ने मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से कामना की। श्रद्धांजलि देने के बाद पत्रकार राज्यपाल को ज्ञापन देने राजभवन पहुंचे। राजभवन पहुंचे पत्रकारों को वहां पर रोक दिया गया।

पत्रकार को धमकी देने का मामला,वन अधिकारी के खिलाफ बड़ा एक्शन हुआ

पत्रकार संदीप शुक्ला को जान से मारने की धमकी देना वन अधिकारी को भारी पड़ गया। मामले में संज्ञान लेते हुए वन विभाग ने धमकी देने वाले अधिकारी के खिलाफ जांच का आदेश दिया है। बता दें कि अवैध वसूली का खुलासा किए जाने के बाद बौखलाए अफसर ने पत्रकार संदीप शुक्ला को 6 बार फोन करके जान से मारने की धमकी दी थी। वन विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि नरेश चन्द्र देवनाग, वनक्षेत्रपाल परिक्षेत्र अधिकारी सीतानदी, उदंती-सीतानदी टायगर रिजर्व, गरियाबंद के द्वारा न्यूज चैनल संवाददाता से अभद्र व्यवहार किया है, जो कि एक शासकीय सेवक के लिये कर्तव्य के प्रति अशोभनीय कृत्य है। छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम-3 के अनुसार शासकीय लोक सेवक को ऐसा कोई भी कृत्य नहीं करना चाहिए जो कि शासकीय सेवा में अशोभनीय हो। उक्त घटना की सूक्ष्मतापूर्वक जॉच कर, तथ्यात्मक जॉच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने हेतु उपनिदेशक उदंती-सीतानदी टायगर रिजर्व को आदेशित किया गया है। अतः नरेश चन्द्र देवनाग, वनक्षेत्रपाल परिक्षेत्र अधिकारी सीतानदी, उदंती-सीतानदी टायगर रिजर्व, गरियाबंद को तत्काल प्रभाव से विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, धमतरी वनमंडल के पद पर एतद् द्वारा पदस्थ किया जाता है।

पंचतत्व में विलीन हुए पत्रकार मुकेश चंद्राकर

पंचतत्व में पत्रकार मुकेश चंद्राकर विलीन हुए। भ्रष्टाचार को उजागर करने पर बस्तर के युवा पत्रकार मुकेश चंद्राकर की ठेकेदार ने निर्मम हत्या कर दी थी। लापता बीजापुर के पत्रकार मुकेश चंद्राकर की लाश तीन दिन बाद एक ठेकेदार के बाड़ा में बने सेप्टिक टैंक से मिली है। माना जा रहा है कि मुकेश की हत्या सड़क घोटाले को उजागर करने की वजह से ठेकेदार ने की है।

पत्रकार मुकेश चंद्राकर हत्याकांडः मुख्य आरोपी ठेकेदार के अवैध कब्जा चला प्रशासन का बुलडोजर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के मामले में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। हत्या के मुख्य आरोपी ठेकेदार सुरेश चंद्राकर के गंगालूर मार्ग पर अवैध कब्जे को हटाने के लिए बुलडोजर चलाया गया। सुरेश चंद्राकर ने सड़क निर्माण के नाम पर 5 एकड़ वन भूमि पर अवैध कब्जा कर रखा था। मौके पर एसडीएम, राजस्व विभाग और वन विभाग के अधिकारी मौजूद हैं। प्रशासन का यह कदम पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के बाद तेजी से हो रही जांच और कार्रवाई का हिस्सा है।

पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या मामले में एसआईटी का गठन

बीजापुर के युवा पत्रकार स्वर्गीय मुकेश चन्द्राकर की हत्या के मामले को लेकर गृहमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने आवास में आयोजित पत्रकारवार्ता में कहा कि स्वर्गीय चन्द्राकर की हत्या दुखद है। उनके परिवार के साथ उनकी पूरी संवेदना है, परिवार को हर संभव मदद दी जाएगी। जिस तरह से पत्रकारों की हत्या हो रही है, वह चिंता जनक है। स्वर्गीय मुकेश चन्द्राकर की हत्या के मामले को लेकर एएसपी गुर्जर के नेतृत्व में 11 सदस्यीय एसआईटी टीम का गठन जांच के लिए किया गया है। 3 से 4 हफ्तों में रिपोर्ट प्रस्तुत होते ही पुलिस त्वरित कार्यवाही करते हुए मामला कोर्ट में प्रस्तुत करेगी।

10 जनवरी से पहले होगा छत्तीसगढ़ मंत्रिमंडल का विस्तार

दो से तीन मंत्री लेंगे शपथ

रायपुर,04 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार का पहला मंत्रिमंडल विस्तार 10 जनवरी से पहले होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, दो नए मंत्रियों को शपथ दिलाने की तैयारी चल रही है, जबकि हरियाणा के मॉडल पर तीसरे मंत्री को शामिल करने पर भी विचार हो रहा है। क्षेत्रीय संतुलन के मद्देनज़र रायपुर, बिलासपुर, और बस्तर से नए मंत्रियों के चयन की संभावना है।

कॉलेज की लैब में फांसी पर लटकता मिला टेक्नीशियन का शव

दुर्ग,04 जनवरी 2025(ए)। जिले के भिलाई-3 स्थित डॉ. खूबचंद बघेल शासकीय महाविद्यालय में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। महाविद्यालय के केमिस्ट्री लैब में लैब टेक्नीशियन तिरुपति रामटेके 52 वर्ष का शव फांसी के फंदे पर लटकता हुआ मिला। बताया जाता है कि मृतक पदुम नगर भिलाई-3 का निवासी और भूतपूर्व सैनिक था। बता दें कि मृतक सुबह 9 बजे कॉलेज पहुंचा और चपरासी से लैब का दरवाजा खोलने का आग्रह किया। कुछ समय बाद, स्टाफ ने केमिस्ट्री लैब में तिरुपति रामटेके को फांसी के फंदे पर लटकते हुए देखा। सूचना मिलते ही कॉलेज प्रबंधन ने भिलाई-3 थाने को जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस और अधिकारियों ने मृतक का शव फंदे से उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के बेटे ने बताया कि उनके पिता पर बैंक का कर्ज था, जिसकी वजह से उन्होंने यह कदम उठाया हो सकता है।

तिरुपति रामटेके भूतपूर्व सैनिक थे और सैनिक कोटे के तहत चार-पांच साल पहले उन्हें असिस्टेंट लैब टेक्नीशियन के रूप में नियुक्ति मिली थी। हाल ही में उन्हें पदोन्नति भी दी गई थी। पुलिस ने मृतक के परिजनों से पूछताछ शुरू कर दी है। छावनी सीएसपी हरीश पाटिल के अनुसार, मृतक सुबह बाल कटवाने के बहाने घर से निकला था, लेकिन घर नहीं लौटा। फिलहाल, आत्महत्या की वजहों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है

सुसाइड नहीं,गला घोंटकर हुई थी डॉ. पूजा की हत्या

बिलासपुर,04 जनवरी 2025 (ए)। जिला अस्पताल में कार्यरत डॉक्टर पूजा चौरसिया की संदिग्ध मौत के मामले में नई जानकारी सामने आई है। सीआईडी की 580 पन्नों की जांच रिपोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पूजा की मौत आत्महत्या नहीं, बल्कि हत्या थी। रिपोर्ट में यह सामने आया है कि पूजा की हत्या उनके जिम ट्रेनर सूरज पांडेय ने की थी। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि पूजा के साथ दुष्कर्म के बाद सूरज ने स्कार्फ से उनका गला दबाकर उनकी जान ले ली। सीआईडी ने सूरज के खिलाफ हत्या और दुष्कर्म की धाराओं में केस दर्ज करने की सिफारिश की है।

पुलिस की प्रारंभिक थ्योरी को खारिज किया

सीआईडी की एआईजी मेघा टेम्भूरकर के नेतृत्व में हुई जांच में पूजा का शव वज्रासन की अवस्था में पाया गया था। उनके गले में बंधा स्कार्फ 6 फीट 6 इंच लंबा था, जो पंखे तक नहीं पहुंच सकता था, जबकि फांसी के मामलों में आमतौर पर गले की हड्डी टूट जाती है, लेकिन पूजा की हड्डी नहीं टूटी थी। इन सब साक्ष्यों से यह साफ हुआ कि पूजा की मौत आत्महत्या नहीं थी। इसके अलावा, बिस्तर पर मिले साक्ष्य और डीएनए जांच से यह पुष्टि हुई कि पूजा के साथ रेप हुआ था। सीआईडी की रिपोर्ट ने पुलिस की प्रारंभिक थ्योरी को पूरी तरह से खारिज कर दिया और हत्या और रेप को हत्या के असल कारण बताया।

पति का नाम आया सामने, लेकिन नहीं मिला कोई सबूत

सीआईडी की रिपोर्ट में पूजा के पति, अनिकेत कौशिक पर किसी भी तरह का आरोप नहीं लगाया गया, लेकिन रीता ने सवाल उठाया कि यदि पूजा और सूरज के बीच संबंध थे, तो अनिकेत ने इसका विरोध क्यों नहीं किया। रीता ने आरोप लगाया कि अनिकेत और उनके पिता अशोक कौशिक ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की थी।

सीआईडी की रिपोर्ट के बाद सूरज पांडेय पर हत्या और दुष्कर्म दोनों धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। सूरज अभी भी जेल में है और आगामी न्यायिक प्रक्रिया का सामना करेगा। पुलिस अधिकारी मेघा टेम्भूरकर ने कहा कि पूजा के पति अनिकेत कौशिक की इसमें कोई भूमिका नहीं पाई गई है, और अब यह मामला पूरी तरह से हत्या और रेप का साबित हो चुका है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)